# मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, बुधवार, 28 अगस्त 2024

संवत 2081, भादपद कृष्ण 9 संवत मूल्य-2 रुपये

वर्ष-7, अंक 348 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 अपने ही नेताओं से परेशान भाजपा

फिल्म 'इमरजेंसी' को लेकर कंगना रनौत को मिली जान से मारने की धमकी 6



वीर शहीद पोटो हो
की क्रांतिकारी भूमि कोल्हान प्रमंडल
की लाखों माता-बहनों को
खुशियों का उपहार

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना

हर बहना को
हर साल
₹12 हजार

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत
श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सम्मान राशि का
करेंगे हस्तांतरण

28 अगस्त, 2024 | अपराह्न 12:00 बजे से
फुटबॉल मैदान, रापचा, गम्हरिया, सरायकेला-खरसावाँ

कोल्हान प्रमंडल (सरायकेला-खरसावाँ,
पूर्वी सिंहभूम और पश्चिमी सिंहभूम)
की सभी बहनों का समारोह में स्वागत है

48 लाख से अधिक निबंधन

लगभग 45 लाख बहनों के आवेदन स्वीकृत

31 अगस्त से पहले सभी बहनों के खातों में होगी
एक हजार रुपये की सम्मान राशि (पहली किस्त)

सितंबर से हर महीने की 15 तारीख को हर बहन
के खाते में पहुँचेगी सम्मान राशि

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार

PR 333846(women,Child Development & Social Security)24-25

न्यूज ब्रीफ

## अपने पैरों पर खुद कुल्हाड़ी मार रहे है चंपाई : राजद

**रांची :** झामुमो के कद्दावर नेताओं में शुमार हैं चंपाई सोरेन। उन्होंने लगभग 40 वर्षों तक एसटी, एससी, ओबीसी, अल्पसंख्यकों, गरीबों, मजदूरों, दलितों के हक की लड़ाई लड़ी। सामंतवादी शक्तियों के खिलाफ दिशोम गुरु शिबू सोरेन के साथ संघर्षशील रहे। आज कुर्सी के लोभ में उन्होंने भाजपा में जाने की ठानी है। जिस मजदूर विरोधी, गरीब विरोधी, सामाजिक न्याय विरोधी, किसान विरोधी, आदिवासी विरोधी पार्टी भाजपा के खिलाफ वे वर्षों तक लड़ाई लड़े, आज उसी पार्टी की गोद में बैठने की घोषणा कर वे अपने ही पैरों में कुल्हाड़ी मारने का काम कर रहे हैं। इतने परिपक्व नेता चंपाई को शायद यह नहीं पता कि झामुमो छोड़कर जाने वाले सूरज मंडल, कृष्ण मार्डी, हेमलाल मुर्मू, सीता सोरेन, शैलेंद्र महतो सहित दर्जनों नेता आज अपनी राजनीतिक पहचान के मोहताज हो गए हैं। अभी भी वक्त है चंपाई सोरेन अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए।

## आरपीएफ पोस्ट रांची ने एक व्यक्ति को आत्महत्या करने से बचाया

**रांचीः** रेल मंडल में मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश पर अलर्ट आरपीएफ स्टाफ ने आत्महत्या का प्रयास करनेवाले एक व्यक्ति की जान बचाई। आरपीएफ पोस्ट रांची के एसआई रंजीत कुमार को सूचना मिली कि एक व्यक्ति आत्महत्या करने के लिए रेलवे यार्ड रांची में रेलवे ट्रैक पर लेट गया है। संदेश मिलते ही एसआई रंजीत कुमार तथा स्टाफ ए जे अंसारी और बीपी तिर्की वहाँ पहुंचे और पाया कि एक व्यक्ति ट्रेन के सामने घूम रहा है। वह लगातार गुजरती ट्रेनों के सामने आत्महत्या करने की कोशिश कर रहा था जिसे आरपीएफ कर्मियों द्वारा घेर लिया गया और रेलवे ट्रैक से हटा दिया गया जिससे उसकी जान बच गई। इसके बाद उसके परिवारवालों को सूचना दी गई। कुछ समय बाद उस व्यक्ति के बड़े भाई सूरज नायक निवासी सुकुरघुट्टू, कांके रांची पहुंचे और बताया कि उनके भाई कृष्णा नायक को कुछ मानसिक परेशानी है और उनका इलाज सदर अस्पताल कांके में चल रहा है। शाम को उसने हमारी बहन अनिता नायक को बताया कि वह आत्महत्या करने के लिए रेलवे स्टेशन रांची जा रहा है। जांच मे यह भी पता चला कि इससे पहले उसने मांडर इलाके में भी आत्महत्या करने की कोशिश की थी और उस वक्त लोकल पुलिस कि पीसीआर ने उन्हें बचा लिया था। उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है इसलिए वह ऐसा व्यवहार कर रहा है। सूरज नायक ने अपने भाई की जान बचाने के लिए बहादुर आरपीएफ कर्मियों को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया। सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बचाए गए व्यक्ति क्रिहना नायक को उसके परिवार को सही सलामत सुपुर्द कर दिया गया।

## रांची,सोशल स्टॉक एक्सचेंज पर कार्यशाला में एनएसई के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा

**रांचीः** सिटीजन फाउंडेशन रांची ने मंगलवार को सोशल स्टॉक एक्सचेंज-एसेलरिंग सोशल इंपैक्ट विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। इंडियन सोशल रिस्पॉन्सबिलिटी नेटवर्क (आईएसआरएन) व नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला में झारखंड वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ के अध्यक्ष किशोर मंत्री बतौर मुख्य अतिथि शरीक हुए। वहीं, आईएसआरएन और सिटीजन फाउंडेशन से जुड़े राज्य के विभिन्न जिलों से 50 से अधिक एनजीओ प्रमुखों ने भी भाग लिया। विशेषज्ञों ने एनएसई के विभिन्न पहलुओं, बेहतर बाजार पहुंच, निवेशकों के बीच तालमेल, न्यूनतम पंजीकरण लागत व सामाजिक उद्यमों के लिए अवसरों के बारे में जानकारी दी। किशोर मंत्री ने कहा कि इस तरह की कार्यशाला सामाजिक उदयमों को सशक्त बनाने और सामाजिक क्षेत्र और निवेशकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने में मदद करती हैं। सोशल स्टॉक एक्सचेंज एक समावेशी व प्रभावशाली पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सभी हितधारकों के सामूहिक प्रयास से इस क्षेत्र में स्थायी परिवर्तन ला सकते हैं। आईएसआरएन के सीईओ संतोष गुप्ता ने सामाजिक क्षेत्र के हितधारकों के बीच क्षमता निर्माण की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य एनजीओ और एनपीओ को जागरूक कर उन्हें सोशल स्टॉक एक्सचेंज के साथ प्रभावी ढंग से जुड़ने के लिए विशेषज्ञता प्रदान करना है। कार्यशाला में खादी ग्रामोद्योग आयोग पूर्वी क्षेत्र के जोनल अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह, ररए ठरए मुंबई के सुदर्शन, सिटीजन फाउंडेशन के सीईओ सह यूएनजीसीएनआई के संयुक्त संचिव गणेश रेड्डी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

# ऑटो और ई-रिक्शा चालकों के अनिश्चितकालीन हड़ताल का आज दूसरा दिन, यात्री रहे परेशान

### ऑटो चलाने के नियम में बदलाव के विरोध में ऑटो और ई-रिक्शा चालकों का अनिश्चितकालीन हड़ताल

मेट्रो रेज

**रांचीः** राजधानी के 20 किमी के दायरे में ऑटो चलाने के नियम में बदलाव के विरोध में ऑटो और ई-रिक्शा चालकों का अनिश्चितकालीन हड़ताल का आज (बुधवार) दूसरा दिन है। सड़क से ऑटो और ई-रिक्शा गायब हो गयी है। रांची के 12,500 ऑटो और ई-रिक्शा चालक के बेमियादी हड़ताल पर चले जाने से यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लोगों को आने-जाने में काफी परेशानी हो रही है। कई लोग तो पैदल ही अपने गंतव्य की ओर जा रहे हैं। जबकि कुछ लोग ओला, रैपिडो आदि का सहारा ले रहे हैं।

20 किमी की परिधि में ऑटो चलाने के नियम में बदलावः दरअसल रांची की ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार के लिए शहर के 20 किमी की परिधि में ऑटो चलाने के नियम में बदलाव किया गया है। ट्रैफिकपुलिस ने चार जोन में ऑटो परिचालन का रूट बांट कर 3-3 किमी का दायरा बना दिया है। जिसके विरोध में 10 हजार से अधिक ऑटो और 2500 ई-रिक्शा चालक मंगलवार (27 अगस्त) से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गये हैं।

पूरे शहर में ऑटो का परिचालन बंदः इस संबंध में झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी ने बताया कि ऑटो चालक खुद सड़कों पर उतरकर ऑटो के परिचालन को बंद करवा रहे हैं। ऑटो चालक महासंघ के अनुसार, पहले 17 किलोमीटर के दायरे में ऑटो चालक ऑटो चलाते थे, लेकिन नये नियम में मात्र 3 किलोमीटर के दायरे में ऑटो चलाने की इजाजत दी गयी है, जो किसी भी कीमत पर कबूल नहीं है। ऑटो चालकों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जाती हैं, तब तक किसी भी रूट पर ऑटो और ई-रिक्शा का परिचालन नहीं होगा।

**कानून हाथ में लेने वालों पर होगी कार्रवाई :** एसपी दूसरी तरफ रांची के सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने ऑटो चालकों को स्पष्ट कर दिया है कि अगर वह बेवजह किसी चलते ऑटो में तोड़फोड़ करेंगे या उन्हें रोकेंगे तो उन पर कानूनी कार्रवाई की जायेगी। जो ऑटो चालक शहर में ऑटो का परिचालन करना चाहते हैं, उन्हें किसी भी तरह की कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ेगा, पुलिस अलर्ट है।

## 'सत्तारूढ़ दलों के विधायकों को तोड़ने की 'पुरानी रणनीति' का सहारा ले रही बीजेपी': मुख्यमंत्री

मेट्रो रेज

**दुमका :** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि वह फिर से अपने पुराने तरीके अपनाकर सत्तारूढ़ दलों के विधायकों को तोड़ने की कोशिश कर रही है। सोरेन की ओर से यह बयान तब सामने आया है, जब झामुमो के विधायक और पूर्व मुख्यमंत्री ने दिल्ली में एलान किया है कि वह भाजपा में शामिल होंगे। हेमंत सोरेन ने कहा कि विपक्षी पार्टी ने फिर से 'सरकार तोड़ो अभियान' और 'विधायक तोड़ो अभियान' शुरू कर दिया है, जैसा कि उसने लोकसभा चुनावों के दौरान भी किया था। दुमका जिले में एक सरकारी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें (भाजपा) झारखंड के आगामी

विधानसभा चुनावों में लोगों से करारा जवाब मिलना तय है, जैसा कि लोकसभा चुनावों में मिला था। इससे पहले दोपहर में चंपाई सोरेन ने राष्ट्रीय राजधानी में पत्रकारों से कहा कि वह अपने बेटे के साथ 30 अगस्त को भाजपा में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा और उसके नेता धर्म और समुदाय के नाम पर बांटने की राजनीति में शामिल है। भाजपा के 'मिला क्या' (क्या मिला?) अभियान की आलोचना करते हुए सोरेन ने कहा कि भाजपा को उनकी सरकार द्वारा गरीबों और पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए शुरू की गई योजनाओं की संख्या हजम नहीं हुई। झारखंड भाजपा ने रविवार को अभियान शुरू किया था। हेमंत सोरेन ने कहा, विपक्ष हमसे नौकरी के बारे में सवाल करता है। हमने 30 हजार से ज्यादा नियुक्तियां दी हैं। जबकि 35 हजार से 40 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया में है। लेकिन, पिछले बीस वर्षों में भाजपा ने कोई नौकरी नहीं दी। उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि रक्षा, रेलवे और बैंकिंग जैसे क्षेत्रों में भर्तियां बंद कर दी गई हैं। इस बीच, मुख्यमंत्री सोरेन ने मंगलवार को 'झारखंड मुख्यमंत्री मैयां सम्मान योजना' के तहत महिलाओं के खातों में पहली किस्त के रूप में एक हजार रुपये ट्रांसफर किए। छह जिलों दुमका, साहिबगंज, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और देवघर के कुल 7।32 लाख लाभार्थियों के खातों में 73 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए।

## हटिया विधानसभा से लड़ूगा चुनाव : निपु सिंह

**रांचीः** झारखंड अगेंस्ट करप्शन के केंद्रीय संगठन मंत्री सह रांची जिले के चर्चित समाजसेवी निपु सिंह ने कहा कि हटिया विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़कर विधायक बनना मेरा शौक नहीं मेरा मेन मकसद है। गरीबों का चेहरे पर पहले से सात गुनी अधिक खुशी लाना मेरा लक्ष्य है। श्री सिंह ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि जैसे भारत को आजादी दिलवाने के लिए कई हजार पुरुषों ने अपनी जान दी थी ठीक उसी तरह हम लोगों को भ्रष्टाचार से लड़ाई लड़ने के लिए सभी लोगों को एक मंच पर आकर आंदोलन करना होगा । कहा कि प्राइवेट स्कूलों और प्राइवेट अस्पतालों के मनमानी को रोकने को लेकर जब तक सरकार कठोर कदम नहीं उठाएगी तब तक हमारा झारखंड राज्य तरक्की नहीं करेगा।

## देसी कट्टे के साथ ग्रामीणों ने अपराधी को पकड़ा

**रांची :** पिठोरिया थाना क्षेत्र के सोसो गांव में ग्रामीणों ने एक अपराधी को देसी कट्टा के साथ पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के अनुसार, सोसो निवासी अशफाक खान के पुत्र तौसीफ खान पर तीन अपराधियों ने सोसो चौक पर हथियार तान दिया था। घटना के बाद सर्तक ग्रामीणों ने एक अपराधी को हथियार के साथ पकड़ लिया और पिठोरिया थाना पुलिस को सौंप दिया, जबकि बाकी दो अपराधी मौके से फरार हो गए। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है और फरार अपराधियों की तलाश जारी है।

## चंदन बैठा के समर्थन में मोरहाबादी पहुंचे सैकड़ो लोग

**खलारीः** बुढ़मू एवं कांके प्रखंड के सैंकडों लोग चंदन बैठा के समर्थन में राजन सिंह राजा के नेतृत्व में मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका पहुंचे । जहां पर चंदन बैठा ,राजन सिंह राजा सहित अन्य लोगों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आशीर्वाद लिया और पदयात्रा करते हुए काँग्रेस भवन पहुंचे । कांग्रेस भवन में मौजूद कांग्रेसियों ने चंदन बैठा एवं राजन सिंह राजा को माला पहनाकर स्वागत किया। उसके बाद सैंकडों लोगों की उपस्थित में चंदन बैठा ने अपना उम्मीदवारी का आवेदन जमा किया। अंत में एक बैठक का भी आयोजन किया गया । जिसकी अध्यक्षता गौरीशंकर महतो, संचालन तनवीर आलम एवं धन्यवाद ज्ञापन रमण सिंह बंटी ने किया । इस अवसर पर चंदन बैठा, राजन सिंह राजा, जालिम सिंह,रविन्द्रनाथ चौधरी, तनवीर आलम, रमण सिंह बंटी, विक्की सिंह, गोपाल सिंह, गौरीशंकर महतो,साजन सिंह राठौड़, फारूक अंसारी, बाबू खान, रमेश चौहान, मोनू रजक, श्याम महतो,मनोज भुइयां, टुन्नू साव, राजा केशरी, भोला यादव, मनोज यादव,सुरेंद्र यादव, प्रकाश सिन्हा, शिवप्रसाद चौहान, सतेन्द्र खरवार, अजमूल अंसारी,फिरोज आलम,नसीम अंसारी, जावेद खान, मिठ्ठू सिंह, विकास सिंह, मोनू सिंह, बबलू सिंह, धीरज बहादुर, इसराइल अंसारी, इकबाल खान, सुनील रावत,सुरज रावत, विजय तुरी, सुरेश तुरी, रवि उरांव, राजेश मुंडा, सहित सैकड़ों की संख्या में महिला पुरूष उपस्थित थे।

## अनीता देवी ने उप विकास आयुक्त को लिखा पत्र

**लातेहारः** जिप उपाध्यक्ष अनीता देवी ने उप विकास आयुक्त लातेहार को पुनः पत्र लिखकर जिले में मान्यता प्राप्त वेंडरों के भौतिक सत्यापन का अनुरोध किया है । उन्होंने बताया कि जिले में बहुत सारे वेंडर ऐसे हैं , जिनका प्रतिष्ठान सिर्फ कागजों पर संचालित हो रहा है । कई प्रतिष्ठान के कागजात भी अद्यतन नहीं है । ऐसी स्थिति में सरकारी अभिलेखों में प्रस्तुत विपत्रों और उनके द्वारा सरकार को समर्पित विपत्र के आंकड़ों में भी अंतर होने की पूरी संभावना है । जिले में कई वेंडर ऐसे हैं जिनकी गतिविधियां नहीं के बराबर है, जबकि कुछ वेंडर ऐसे हैं जिनके द्वारा सभी तरह के सामान की आपूर्ति की जाती है ' इन सब तथ्यों के अनुश्रवण के अभाव में बड़े पैमाने पर अनियमितता की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। कई प्रतिष्ठानो द्वारा सरकार को टैक्स भी अदा नहीं की जा रही है।


**ई० प्रोक्यूरमेंट सेल,**
**कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,**
**भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, सिमडेगा**
Email Id :- ecngbcdsimdega@gmail.com

**अल्पकालिन ई-प्रोक्योरमेन्ट नोटिस**

ई-टेन्डर रेफरेंस नं0- 03/2024-25/EE/BCD/BD,SIMDEGA.
दिनांक-27-08-2024

| | | |
|---|---|---|
| 1. | कार्य का नाम | Renovation of Circuit House at Simdega in the District of Simdega. |
| 2. | प्रक्कलित राशि (रू 0) | रूपया 1,31,36,044.00 (एक करोड़ एकतीस लाख छत्तीस हजार चौवालीस) रुपये मात्र। |
| 3. | कार्य पूर्ण करने की अवधि | 06 (छः) माह। |
| 4. | वेबसाईड पर निविदा प्रकाशन की तिथि | 05.09.2024 को 11:00 बजे |
| 5. | बिड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय | 18.09.2024 को दोपहर 11:00 बजे तक |
| 6. | निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता | कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, सिमडेगा-835223 |
| 7. | निविदा खोलने की तिथि/समय एवं स्थान | 19.09.2024 के अपराह्न 11:30 बजे तक नोडल पदाधिकारी, ई० प्रोक्यूरमेंट सेल, मुख्य अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, लाईन टैंक रोड, झारखण्ड, राँची। |
| 8. | प्रोक्योरमेन्ट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या | 86748-35234 |
| 9. | ई-प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन संख्या | 86748-35234 |

10. परिमाण विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
11. सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग, झारखण्ड सरकार के आदेश ज्ञापांक 120 दिनांक 03-10-2023 के द्वारा निर्गत SOP (मानक संचालन प्रक्रिया) एवं भवन निर्माण विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्रांक 2229 दिनांक 06-10-2023 के आलोक में निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
12. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई-भुगतान जिस खाता से किया जायेगा SOP के तहत अग्रधन की राशि उसी खाते में वापस होगी। अगर खातों को बंद कर दिया जाता है तो उसकी संपूर्ण जवाबदेही निविदादाता की होगी।
13. अन्य किसी भी प्रकार के बदलाव की सूचना http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

**Note :- UCAN Registration is mandatory for the Bidders.**

कार्यपालक अभियंता,
PR 333802 Simdega(24-25)#D भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, सिमडेगा


चंपाई सोरेन ने किया बीजेपी में शामिल होने का एलान, कहा-

# जेएमएम में कोई ऐसा मंच नहीं, जहां पीड़ा बता पाता

**रांची :** राज्य में विधानसभा चुनाव के एलान से पहले मची सियासी उथल-पुथल के बीच चंपाई सोरेन ने आधिकारिक तौर पर झामुमो छोड़ने और भाजपा में शामिल होने का एलान कर दिया। एक्स पर एक पोस्ट में चंपाई ने कहा कि उनके पास पार्टी में ऐसा कोई मंच नहीं बचा था, जहां वे अपनी पीड़ा खुलकर व्यक्त कर पाते। अपने पोस्ट में चंपाई ने भाजपा को आदिवासी हितों के लिए काम करने वाली इकलौती पार्टी भी करार दिया। चंपाई सोरेन ने कहा, पिछले हफ्ते (18 अगस्त) एक पत्र द्वारा झारखंड समेत पूरे देश की जनता के सामने अपनी बात रखी थी। उसके बाद, मैं लगातार झारखंड की जनता से मिल कर, उनकी राय जानने का प्रयास करता रहा। कोल्हान क्षेत्र की जनता हर कदम पर मेरे साथ खड़ी

रही, और उन्होंने ही संन्यास लेने का विकल्प नकार दिया। उन्होंने आगे कहा, पार्टी में कोई ऐसा फोरम/मंच नहीं था, जहां मैं अपनी पीड़ा को व्यक्त कर पाता तथा मुझ से सीनियर नेता स्वास्थ्य कारणों से राजनीति से दूर हैं। आज बाबा तिलका मांझी और सिदो-कान्हू की पावन भूमि संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठ बहुत बड़ी समस्या बन चुका है। इस से दुर्भाग्यपूर्ण क्या हो सकता है कि जिन वीरों ने जल, जंगल व जमीन की लड़ाई में कभी विदेशी अंग्रेजों की गुलामी स्वीकार नहीं की, आज उनके वंशजों की जमीनों पर ये घुसपैठिए कब्जा कर रहे हैं। इनकी वजह से फूलो-झानो जैसी वीरांगनाओं को अपना आदर्श मानने वाली हमारी माताओं, बहनों व बेटियों की अस्मत खतरे में है। आदिवासियों एवं मूलवासियों को आर्थिक तथा सामाजिक तौर पर तेजी से नुकसान पहुंचा रहे इन घुसपैठियों को अगर रोका नहीं गया, तो संथाल परगना में हमारे समाज का अस्तित्व संकट में आ जायेगा। पाकुड़, राजमहल समेत कई अन्य क्षेत्रों में उनकी संख्या आदिवासियों से ज्यादा हो गई है। राजनीति से इतर, हमें इस मुद्दे को एक सामाजिक आंदोलन बनाना होगा, तभी आदिवासियों का अस्तित्व बच पाएगा। भाजपा को बताया आदिवासियों का हितैषीः चंपाई सोरेन ने आगे कहा, इस मुद्दे पर सिर्फ भाजपा ही गंभीर दिखती है और बाकी पार्टियां वोटों की खातिर इसे नजरअंदाज कर रही है। इसलिए आदिवासी अस्मिता एवं अस्तित्व को बचाने के इस संघर्ष में, मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में आस्था जताते हुए भारतीय जनता पार्टी से जुड़ने का फैसला लिया है।


**कार्यालय, विद्युत कार्यपालक अभियंता**
**विद्युत कार्यप्रमंडल, इन्जीनियर्स हॉस्टल, थुर्वा, राँची**

अति अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 51/24–25

1. विभाग का नाम :- उर्जा विभाग।
2. विज्ञापन दाता का पदनाम :- विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत कार्य प्रमंडल, राँची।
3. परिमाण विपत्र बिक्री की अंतिम तिथि :- दिनांक 04/09/2024 तक (2.00 बजे अपराह्न तक)
4. निविदा प्राप्ति की तिथि :- दिनांक 05/09/2024 को 2.00 बजे अपराह्न तक।
5. निविदा खोलने की तिथि :- दिनांक 05/09/2024 को 3.00 बजे अपराह्न में।
6. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :- नगर नियंत्रण कक्ष, राँची,/विद्युत अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत कार्य अंचल राँची, एवं विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, राँची।
7. निविदा प्राप्ति का स्थान :- नगर नियंत्रण कक्ष, राँची।
8. निविदा खोलने का स्थान :- विद्युत कार्य प्रमण्डल, राँची।

| क्रम सं0 | कार्य का नाम | प्राक्कलित राशि (रूपये में) | परिमाण विपत्र का मूल्य | अग्रधन की राशि | कार्य समाप्ति की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | व्यवहार न्यायालय, गढ़वा, के 13 कोर्ट भवन में अधिष्ठापित 02 अदद् लिफ्ट (OTIS) के वार्षिक सम्पोषण का कार्य। (तीन वर्षों हेतु) | 7,80,777=00 | 1250=00 | 16,000=00 | तीन वर्ष |
| 2. | सूचना भवन, राँची में अधिष्ठापित 02 अदद् 10 person capacity लिफ्ट (Make-Kone) के वार्षिक सम्पोषण का कार्य। | 4,44,047=00 | 750=00 | 9,000=00 | एक वर्ष |

PR 333803 Energy (24-25)_D

विद्युत कार्यपालक अभियंता,
विद्युत कार्य प्रमंडल, राँची

# मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, बुधवार, 28 अगस्त 2024

संवत 2081, भादपद कृष्ण 9 संवत मूल्य-2 रुपये

वर्ष-7, अंक 348 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 अपने ही नेताओं से परेशान भाजपा

फिल्म 'इमरजेंसी' को लेकर कंगना रनौत को मिली जान से मारने की धमकी 6

## रांची एसएसपी ने नौ इंस्पेक्टर का किया तबादला, बदले गये सात थाना प्रभारी

**रांचीः** एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा ने नौ इंस्पेक्टर का तबादला किया है। इनमें से सात इंस्पेक्टर अलग-अलग थाना के प्रभारी थे। इसको लेकर बुधवार को जिलादेश जारी कर दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार, रामनारायण सिंह को रातू, रामकुमार वर्मा को धुर्वा, जय प्रकाश राणा को डेली मार्केट, मनोज कुमार को बरियातू, कमलेश पासवान को ट्रैफिक थाना चुटिया, रूपेश सिंह को लालपुर और सुनील सिंह हिंदपीढ़ी थाना प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा शशि भूषण चौधरी को अंचल निरीक्षक मांडर और विनोद कुमार को पुलिस लाइन में पदस्थापित किया गया है।

## युवक की गला रेतकर हत्या, सुबह-सुबह शव मिलने से सनसनी

**गोमिया (बोकारो):** बोकारो जिले के गोमिया थाना क्षेत्र के करमटिया गांव के युवक मुकेश कुमार (35) का शव पुलिस ने बुधवार (28 अगस्त) सुबह घर से 500 मीटर की दूरी पर पहाड़ी के नीचे से बरामद किया है। घटना की सूचना मिलते ही गोमिया थाना प्रभारी नित्यानंद भोक्ता दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

शौच के लिए गए लोगों ने सुबह में देखा मुकेश का शवः इस संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि बुधवार की सुबह गांव के कुछ लोग शौच के लिए पहाड़ी की ओर गए थे। उसी समय रास्ते में युवक का शव पड़ा हुआ देखा। लोगों ने तुरंत इसकी जानकारी गांव वालों को दी। गांव वालों इस घटना की जानकारी गोमिया पुलिस को दी। गोमिया थाना प्रभारी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच में जुट गए।

युवक की गर्दन पर तेज धारदार हथियार से कटने का निशानः युवक की गर्दन पर तेज धारदार हथियार से कटे हुए का निशान है। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि हत्या कहीं दूसरी जगह पर की गई है। हत्या करने के बाद शव को यहां लाकर फेंक दिया गया है। मंगलवार की शाम को वह घर से निकला था और इसके बाद वह नहीं लौटा।

मंगलवार शाम 7 बजे तक गांव में देखा गया था मुकेश क्टोः गांव वालों ने बताया कि शाम के करीब सात बजे तक उसे देखा गया था। इसके बाद की जानकारी नहीं है। मृतक स्वर्गीय महेंद्र रविदास का पुत्र है। उसके दो भाई हैं। बड़ा भाई सीसीएल में काम करता है, जबकि छोटा भाई मुंबई में काम करता है। मां फागुनी देवी और भाभी का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीण ने पुलिस से मांग की है कि खोजी कुत्ता को बुलाया जाए और यह पता लगाया जाए कि मुकेश की हत्या कहां हुई।

### असम के मुख्यमंत्री सरमा का दावा

# चंपाई सोरेन की जासूसी करने वाले स्पेशल ब्रांच के दो सब-इंस्पेक्टर दिल्ली में पकड़ाए

### मंत्री चंपाई सोरेन की उनकी ही सरकार कर रही जासूसी

**गुवाहटीः** असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि झारखंड की कैबिनेट में आज भी चंपाई सोरेन मंत्री हैं। उन्होंने भाजपा में शामिल होने का निर्णय लिया है। जब तक वे इस्तीफा नहीं दे देते हैं, तब तक वे मंत्री हैं। इसके साथ वे झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भी हैं। पहली बार

चंपाई सोरेन दिल्ली गए थे, फिर वे दोबारा 26 अगस्त को दिल्ली गए। दोनों बार अपनी टीम के साथ वे होटल में रुके थे।

आगे हिमंत ने बताया कि कल पता चला कि दोनों बार जब वे दिल्ली गए थे तो उनको झारखंड के स्पेशल ब्रांच के दो एसआई ने फॉलो किया। कल शाम में इन दोनों को लोगों ने पकड़ा गया और दिल्ली पुलिस को सौंप दिया गया। दिल्ली पुलिस को पूछताछ में पता चला कि आईजी प्रभात कुमार ने दोनों को इस काम पर लगाया था। प्रभात कुमार स्पेशल ब्रांच के एडीजीपी भी हैं। अभी दोनों पुलिस हिरासत में हैं।

असम के सीएम ने चंपाई सोरेन के फोन टैप होने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि चंपाई का फोन भी टैप किया जा रहा हो। उन्हें 'हनी ट्रैप' में फंसाने की योजना भी बनाई जा रही हो। ऐसा इसलिए, क्योंकि एक महिला भी दोनों एसआई से मिल रही थी। सरमा ने पूर्व सीएम के 30 अगस्त को भाजपा में शामिल होने की बात का जिक्र करते हुए दावा किया कि चंपाई सोरेन की भाजपा के साथ बातचीत शुरू होने से पहले से ही निगरानी की जा रही थी।

## जमीन घोटाले मामले में प्रेम प्रकाश को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

**मेट्रो रेज**

**रांची :** पवार ब्रोकर के नाम से मशहूर प्रेम प्रकाश को चेशायर होम रोड स्थित जमीन घोटाले मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गयी है। न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के वी विश्वनाथन की खंडपीठ ने बुधवार को प्रेम प्रकाश को जमानत दी है। इससे पहले 29 जुलाई को शीर्ष अदालत ने ईडी और प्रेम प्रकाश की ओर से बहस सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट ने आज (28 अगस्त) को अपना फैसला सुनाया। बता दें कि ईडी ने

25 अगस्त 2022 को प्रेम प्रकाश को गिरफ्तार किया था। इससे पहले ईडी ने प्रेम प्रकाश के हरमू स्थित शैलोदय आवास में छापामारी की थी। इस दौरान प्रेम प्रकाश के घर से पुलिस के दो हथियार बरामद किये गये थे।

इसी केस में रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन को भी ईडी ने किया था गिरफ्तारः दरअसल रांची के बड़गाईं अंचल के चेशायर होम रोड की जमीन की अवैध तरीके से खरीद बिक्री से जुड़े इस केस में ईडी ने रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन को गिरफ्तार किया था। वह अभी भी जेल बंद हैं। इसके अलावा बड़गाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, सेना के कब्जे वाली जमीन का फर्जी रैयत प्रदीप बागची, जमीन कारोबारी अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान व मोहम्मद सद्दाम, अमित अग्रवाल और दिलीप घोष को भी ईडी ने गिरफ्तार किया था। सभी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल भी हो चुकी है।

## अपराधी ने ब्लेड से रेता अपना गला, मोबाइल चोरी का है आरोप

**रांचीः** राजधानी रांची के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र स्थित मोबाइल दुकान में हुई चोरी कांड के एक आरोपी ने ब्लेड से खुद का ही गर्दन रेत लिया हालांकि पुलिस ने समय रहते उसका इलाज करवाया और फिर उसे गिरफ्तार कर लिया। घटना बिहार के वैशाली जिले में रांची पुलिस की छापेमारी के दौरान हुई। दरअसल,जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र से मोबाइल दुकान से मोबाइल की चोरी के आरोपी ने पकड़ाने के बाद अपनी गर्दन रेत ली। इससे पहले गुत्थम-गुत्थी में चोर के पास मौजूद ब्लेड से कटने से एक पुलिसकर्मी भी घायल हो गया। यह घटना बिहार के वैशाली जिले के विदुपुर गांव में उस समय हुई जब राँची पुलिस ने मोबाइल चोर राहुल पंडित को उसके गांव से पकड़ लिया।

बता दें कुछ दिन पूर्व जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र में स्थित खुशी टेलीकॉम में बीते 12 मई को लाखों के मोबाइल चोरी की वारदात हुई थी।पुलिस को आरोपी का सुराग मिला। जिसके बाद पुलिस की टीम सोमवार को आरोपी को पकड़ने के लिए वैशाली जिले के विदुपुर गांव पहुंची।राँची पुलिस की टीम ने आरोपी की घेराबंदी की, लेकिन पुलिस से बचने के लिए आरोपी ने अपने पास से ब्लेड निकाला और कहा कि उसे भागने दे, नहीं तो वह गर्दन काट लेगा।हालांकि टीम में शामिल पुलिस का एक जवान आरोपी को ऐसा करने से रोकने के लिए उस पर कूद गया। उसके साथ आरोपी की गुत्थम गुत्थी हुई।इसी दौरान आरोपी ने खुद को छुड़ाकर ब्लेड अपनी गर्दन में चला ली, जिससे उसका गला हल्का कट गया। जब पुलिस ने उसे पकड़ा तो ब्लेड छीनने के क्रम में एक पुलिसकर्मी के हाथ पर भी ब्लेड लग गया। जिससे पुलिसकर्मी भी घायल हो गया। पुलिस की टीम आरोपी को पकड़कर मंगलवार को इलाज कराने के बाद राँची लायी।

## पाकिस्तान : सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 25 आतंकवादी ढेर, 11 घायल, चार सैनिकों की मौत

**पेशावरः** पाकिस्तान के कबायली जिले खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षा बलों की कार्रवाई में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और उसके दो सहयोगी समूहों के खिलाफ चलाए गए अभियान में एक शीर्ष आतंकवादी कमांडर समेत 25 आतंकवादी मारे गए जबकि 11 अन्य घायल हो गए। पाकिस्तान की सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सुरक्षा बलों ने यह अभियान खिलाफ खुफिया सूचना के आधार पर चलाया गया था। इस अभियान में चार सैनिकों की भी मौत हो गई है। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा (इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस) ने टीटीपी का जिक्र करते हुए एक बयान में कहा कि ये अभियान ह्यपुख्ता खुफिया जानकारीह्न के बाद चलाया गया था इससे ह्यफितना अल खवारिजह्न और उसके सहयोगियों को बड़ा झटका लगा। बयान में कहा गया है कि सुरक्षा बलों ने अब तक 25 आतंकवादियों को मार गिराया गया है जिनमें इसका सरगना अबुजार उर्फ ??सद्दाम शामिल है, जबकि 11 आतंकी घायल हुए हैं। इसमें कहा गया कि अभियान के दौरान चार सैनिकों की भी मौत हो गई।

### पटना के पुनपुन में बड़ा हादसा

# श्रीपालपुर में दीवार ढहने से 25 दबे

**पटनाः** जिले में बड़ा हादसा हुआ है। पटना के पुनपुन इलाके में दीवार ढहने से कम से कम 25 लोगों के दबने की बात कही जा रही है। मौके पर पुलिस और राहत दल के सदस्य पहुंच गये हैं। घटना के बाद मौके पर लोगों को बाहर निकालने का काम जारी है। कई लोगों को मलवे से बाहर निकाला गया है, जबकि अभी भी कई लोग मलवे में दबे हुए हैं। ग्रामीणों की सहायता से पुलिस घायलों को अस्पताल पहुंचा रही है। कुछ की हालत गंभीर बतायी जा रही है। हल्की बारिश में दीवार गिरीः मिली जानकारी के अनुसार पुनपुन के श्रीपालपुर में बुधवार को दीवार गिर गयी, जिसमें 25 लोगों के दबने की खबर मिल रही है। घटना के बाद मौके पर लोगों को बाहर निकालने का काम जारी है। हादसे के वक्त मौजूद युवक ने बताया कि ह्यकोई बाबा आते थे और पूजा कराते थे। इस पूजा में लोग शामिल होते हैं। हल्की बारिश होने की वजह से दीवार गिरी, जिसमें 50 से 60 लोग घायल हैं। इसमें 20 से 25 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। किसी का सिर फटा है तो किसी का हाथ-पैर टूट गया है। घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

# नामीबियाई चीता 'पवन' की मौत, महीने भर में दूसरा हादसा

**नई दिल्लीः** मध्यप्रदेश के कुनो नेशनल पार्क से एक बुरी खबर सामने आई है। मंगलवार को मध्यप्रदेश के कुनो नेशनल पार्क के जंगल में एक नामीबियाई चीते की मौत हो गई है। जिस चीते की मौत हुई है उसका नाम पवन रखा गया था।

बता दें कि पवन चीते की मौत से पहले 5 अगस्त को एक पांच महीने के शावक की मौत हो गई थी। एक महीने से भी कम समय में दूसरे चीते की मौत के बारे में बताते हुए, अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षण (एपीसीसीएफ) और लायन प्रोजेक्ट के निदेशक उत्तम शर्मा ने एक बयान जारी कर कहा कि पवन 27 अगस्त को सुबह करीब 10:30 बजे बिना किसी हलचल के झाड़ियों के बीच एक उफनते नाले के किनारे पड़ा मिला था। पवन की मौत के साथ, सितंबर 2022 में प्रोजेक्ट चीता के शुभारंभ के बाद से कुल 13 चीतों की मौत हो चुकी है।

अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षण (एपीसीसीएफ) और लायन प्रोजेक्ट के निदेशक उत्तम शर्मा ने एक बयान जारी कर कहा कि पवन 27 अगस्त को सुबह करीब 10:30 बजे बिना किसी हलचल के झाड़ियों के बीच एक उफनते नाले के किनारे पड़ा मिला था। पवन की मौत के साथ, सितंबर 2022 में प्रोजेक्ट चीता के शुभारंभ के बाद से कुल 13 चीतों की मौत हो चुकी है।

बयान में कहा गया है कि मौत का प्रारंभिक कारण डूबना प्रतीत होता है क्योंकि जब पशु चिकित्सकों ने बारीकी से जांच की तो नर चीते के शरीर का अगला आधा हिस्सा, जिसमें सिर भी शामिल है, नाले के अंदर पाया गया। बारिश के कारण नाला भर गया था। पशु चिकित्सकों ने यह भी पुष्टि की कि चीते के शरीर पर कहीं भी कोई बाहरी चोट नहीं पाई गई। आधिकारिक बयान में कहा गया है, मौत का प्रारंभिक कारण डूबना प्रतीत होता है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की जानकारी दी जाएगी।

जंगल में छोड़े जाने से पहले नर चीता, जिसे पहले ओबन कहा जाता था, को दो बार बाहर भटकने के बाद एक अनुकूलन बाड़े में रखा गया था। ळडक की रिपोर्ट के अनुसार, आखिरकार उसे कुनो नेशनल पार्क के फ्री-रेंजिंग एरिया में छोड़ दिया गया, जहाँ वह आजादी से घूम सकता था।

कुनो नेशनल पार्क में 5 महीने के शावक की मौतः भारत के चीता प्रेरण कार्यक्रम के तहत अफ्रीका से लाए गए कुनो चीतों के लिए एक और दुखद नुकसान यह हुआ कि 5 अगस्त को गामिनी नामक चीता से पैदा हुए पांच महीने के शावक की राष्ट्रीय उद्यान में मौत हो गई। गामिनी ने मार्च में छह शावकों को जन्म दिया था। जून में इसने अपना पहला शावक खो दिया था। एपीसीएफएफ की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 29 जुलाई की शाम को शावक अपना पिछला हिस्सा उठाने में असमर्थ था।

आगे निरीक्षण करने पर पता चला कि शावक अपने पूरे पिछले हिस्से को घसीट रहा था। शावक को तुरंत बचाया गया और आगे की जांच के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पशु चिकित्सकों ने पाया कि शावक की रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया था। उपचार के बाद शावक को निगरानी और गहन निगरानी में रखा गया। हालांकि, 5 अगस्त की सुबह उसकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। कार्यवाहक प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) सुभरंजन सेन ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि शावक को शायद दूसरे शावकों के साथ खेलते समय चोट लगी होगी।

'प्रोजेक्ट चीता' के तहत, आठ नामीबियाई चीते - पांच मादा और तीन नर - सितंबर 2022 में मध्य प्रदेश के कुनो नेशनल पार्क में छोड़े गए। इसके बाद, फरवरी 2023 में, दक्षिण अफ्रीका से अतिरिक्त 12 चीते लाए गए। इस परियोजना का उद्देश्य भारत के पारिस्थितिकी तंत्र में चीतों को फिर से शामिल करना है क्योंकि आजादी के बाद वे देश में विलुप्त हो गए थे।

## सूक्ति

मनुष्य को चाहिए कि वह परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे तो दूसरा गढ़े:
अटल बिहारी वाजपेयी

### योगी की नसीहत

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समृद्धिकी पराकाष्ठा पर पहुंचने के लिए लोगों से एकजुट रहने की अपील करते हुए कहा है कि बांग्लादेश में हुइ गलतियां ड्डारत में नहीं होनी चाहिए। आगरा में दुगार्दास राठौर की प्रतिमा के अनावरण के सिलसिले में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्र से बढ़ाकर कुछ नहीं हो सकता। राष्ट्र तभी मजबूत होगा जब हम सब एकजुट रहेंगे।' दुगार्दास राठौर एक राजपूत सरदार थ जिन्हें सत्रहवीं शताब्दी में मारवाड़.पर मुगलों के कब्जे की कोशिशों के खिलाफ प्रतिरोध का नेतृत्व करने के लिए जाना जाता है। योगी आदित्यनाथ ने आगाह करते हुए कहा, ,बटेंगे तो कटेंगे।' ,एक रहेंगे, नेक रहेंगे, सुरक्षित रहेंगे।' पिछले दिनों बांग्लादेश में सरकार के खिलाफ इस कदर हिंसक प्रदर्शन हुए कि लोकतांत्रिक तरीके से निर्वाचित शेख हसीना की सरकार को उखाड़.फेंका गया। शेख हसीना को इस्तीफा देना पड़ा और अपना देश भी छोड़ना पड़.गया। हालांकि इसके बाद भी पड़ोसी देश में हिंसा की घटनाएं जारी रहीं जिनमें हिन्दू अल्पसंख्यक समुदाय पर लक्षित हमले किए गए। इस घटनाक्रम के बाद भारत में भी कुछविपक्षी नेताओं ने इस तरह के बयान दिए कि भारत में भी ऐसा कुछघट सकता है। सरकार को सचेत रहना चाहिए। दरअसल, भू-राजनीतिक परिस्थितियां इतनी तेजी से बदल रही हैं कि तमाम देशों के परस्पर समीकरण बिगड़. रहे हैं। इसके चलते देशों के बीच तनाव चरम पर हैं और तनावों व टकरावों के चलते विश्व के एक हिस्से में दो देश रूस- यूक्रेन युद्धरत हैं तो इस्राइल और फिलिस्तीन में भी युद्ध चल रहा है। दोनों क्षेत्रों में हालात इस कदर खराब हैं कि जब- तब विश्व युद्ध का अंदेशा होने लगता है। हालात में यह खराबी किसी एक या दो देश तक सीमित रहने जैसा घटनाक्रम नहीं होता। वैश्विक आर्थिक हालात पर भी असर ड़ालता है। देशों के बीच खेमेबाजी बढ़रक्षिता है। बड़क्षी ताकतें देशों के बीच टकराव पैदा करके स्वार्थ साधने की ताक में रहती है। भारत के लिए तो और भी ज्यादा सजग रहने की जरूरत है क्योंकि भारत के सभी पड़ोसी देशों की स्थितियां शांतिपूर्ण नहीं रह गई हैं। ले-दे के बांग्लादेश ही बचा था जहां की सरकार के साथ भारत के संबंध सौहार्दपूर्ण थे और लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार थी। लेकिन युवाओं को गुमराह करके जनता की एकजुटता को तारझतार कर दिया गया। एकजुटता से ही ऐसे मंसूबों पर पानी फेरा जा सकता है।

### भारत विरोधी कश्मीर की बात

जम्मू-कश्मीर चुनाव के मद्देनजर नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी ने अपने घोषणा-पत्र जारी किए हैं, जो बुनियादी तौर पर भारत-विरोधी लगते हैं। 1950 के दशक में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और शेख अब्दुल्ला की अपनी-अपनी लड़ाइयां और सियासत थी। शेख अब्दुल्ला कश्मीर को इस्लामी सूबा बनाने पर आमादा थे। उन्हें प्रधानमंत्री का दर्जा हासिल था। श्यामा प्रसाद ने एक विधान, एक निशान, एक प्रधान की व्यवस्था के लिए संघर्ष किया। उनकी रहस्यमयी मौत आज भी एक सवाल है। अनुच्छेद 370 खत्म किए जाने से पहले जम्मू-कश्मीर का अपना झंडा था, अपना संविधान था। कश्मीर में सर्वोच्च अदालत के फैसले भी लागू नहीं होते थे। भारतीय दंड संहिता की धाराएं भी निष्प्रभावी थीं। विधानसभा का कार्यकाल 6 साल होता था। रक्षा, विदेश, वित्त आदि मंत्रालय भारत सरकार के अधीन थे, लेकिन उनके अलावा कश्मीर के कानून और व्यवस्थाएं भिन्न थीं। आर्थिक संसाधनों और बजट के लिए जम्मू-कश्मीर भारत सरकार के सहारे ही था। सवाल होते रहते थे कि एक ही राष्ट्र में कश्मीर को यह विशेष दर्जा क्यों हासिल है? दो-दो व्यवस्थाएं कैसे काम कर सकती हैं? मोदी सरकार ने ऐतिहासिक पहल की और 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 और 35-ए को निरस्त करने का बिल संसद से पारित करा दिया। अब 2024 में विधानसभा चुनावों की घोषणा की गई है, तो पुराने मुद्दों को नए संदर्भों में उठाया जा रहा है। नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी ने अनुच्छेद 370, 35-ए की बहाली का आश्वासन दिया है। जम्मू-कश्मीर के ह्यअलग झंडेह्ल की बात कही गई है। ऐसा है, तो आने वाली विधानसभा में अलग संविधान का प्रस्ताव भी पारित किया जा सकता है। इसके लिए दलीलें दी जाती रही हैं कि विलय के समझौता-पत्र में उल्लेख था कि कश्मीर का अपना अलग झंडा और अलग संविधान होगा। ये दलीलें कुतर्क हैं, क्योंकि विलय-पत्र में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। सियासतदानों को जरा पढ़ लेना चाहिए। बहरहाल पत्थरबाजों की दोबारा सरकारी नौकरी में बहाली होगी और जेल से सियासी कैदियों की रिहाई की जाएगी। ऐसे कैदियों को माफ भी किया जा सकता है। पाकिस्तान से सटी नियंत्रण रेखा पर कारोबार की नई शुरूआत के साथ-साथ पाकिस्तान के साथ बातचीत और जनसंपर्क भी शुरू किया जाएगा। नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी सोच के स्तर पर पाकपरस्त रही हैं, लेकिन सवाल है कि क्या एक विधानसभा ऐसे मुद्दों को पारित कर सकती है? विदेश और रक्षा नीतियां केंद्र सरकार तय करेगी अथवा संघशासित क्षेत्र की विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया जा सकता है? भारतीय संसद ने अनुच्छेद 370 और 35-ए को निरस्त किया था और सर्वोच्च अदालत ने भी उसे उचित, संवैधानिक निर्णय माना था। तो विधानसभा चुनाव में पार्टियां इनकी बहाली और विशेष दर्जे की वापसी का वायदा कैसे कर सकती हैं? यह सवाल नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से पूछा गया था। उनका जवाब था कि आने वाली सर्वोच्च अदालत में कश्मीर की बुनियादी सोच वाले न्यायाधीश भी आ सकते हैं! केंद्र में मौजूदा सरकार की विदाई हो सकती है तथा विपक्षी गठबंधन इंडिया की सरकार बन सकती है! हमने जम्मू-कश्मीर के अवाम को आश्वस्त किया है कि तब तक हम इंतजार करेंगे, लेकिन लड़ाई लगातार लड़ते रहेंगे। हम चुप नहीं बैठेंगे। एक घोषणा-पत्र में कहा गया है कि शंकराचार्य के पर्वत का इस्लामी नाम तख्त-ए-सुलिमान रखा जाएगा। क्या कश्मीर को एक बार फिर इस्लामिक बनाने के मंसूबे हैं? नेशनल कॉन्फ्रेंस तो शेख अब्दुल्ला की ही विरासत है, लिहाजा उनकी सियासत भी वही होगी। पीडीपी ने यहां तक घोषणा की है कि जमात-ए-इस्लामी पर से प्रतिबंध हटा दिया जाएगा। यानी कश्मीर में अलगाववाद, आतंकवाद, हड़ताल और बंद की पुरानी स्थितियों की वापसी के रास्ते तैयार किए जा रहे हैं? घोषणा-पत्र में आरक्षण खत्म करने का आश्वासन दिया गया है। क्या गुर्जर, बक्करवाल, दलित, पहाड़ी जातियों के आरक्षण खत्म किए जाएंगे? यह निर्णय कांग्रेस की राष्ट्रीय राजनीति पर आघात की तरह साबित हो सकता है। ऐसे कई आश्वासन घोषणा-पत्रों में दिए गए हैं। बेशक ये देश-विरोधी घोषणाएं हैं।

# अपने ही नेताओं से परेशान भाजपा

वैसे भी कंगना न तो स्वयं किसान परिवार से हैं और न ही इस आंदोलन के साथ उनका किसी तरह का कोई सम्बन्ध रहा है। हाल में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि दिल्ली की सीमा पर हुए किसान आंदोलन के दौरान प्रदर्शन स्थल पर लाशें लटकती देखी गईं और बलात्कार हो रहे थे। उन्होंने कहा कि यदि मोदी सरकार ने कड़े कदम नहीं उठाए होते तो किसानों के विरोध प्रदर्शन से भारत में बांग्लादेश जैसी स्थिति पैदा हो सकती थी। इस बयान ने उन भाजपाइयों को भी चौंका दिया जो, लोकसभा चुनाव में हुई चूकों की राजनीतिक दुरूस्ती में लगे हुए हैं। इस बयान से संभावित सियासी नुकसान को भांपकर भाजपा ने तुरंत खंडन जारी किया कि कंगना का बयान पार्टी की अधिकृत राय नहीं है। उन्हें नीतिगत मामलों पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है।

**अजय बोकिल**

बीते छह माह में संविधान, आरक्षण, जातिगणना और किसान आंदोलन के मुद्दे भाजपा की ऐसी दुखती रग बन गए हैं कि वो उसे कहां और कैसे राजनीतिक नुकसान पहुंचाएंगे, इसका अंदाजा भाजपा भी ठीक-ठीक नहीं लगा पा रही है। इनमें भी लंबे किसान आंदोलन के चलते तीन विवादित कृषि कानून मोदी सरकार द्वारा वापस ले लिए जाने के बाद यह मामला पिछले कुछ समय से हाशिए पर चला गया था, लेकिन भाजपा सांसद और बड़बोली अभिनेत्री कंगना रनौत ने इन हरियाणा विधानसभा चुनाव के पहले फिर इस मुद्दे को कुरेद कर भारतीय जनता पार्टी के लिए नई मुसीबत खड़ी कर दी है।

लगता है पार्टी को अब अपने ही नेताओं के ऐसे घर जलाऊ बयानों पर पानी डालने के लिए अलग से फायर ब्रिगेड रखनी पड़ेगी। दूसरे शब्दों में कहें तो पार्टी में कंगना जैसे नेता हो तो दुश्मनों की जरूरत ही नहीं है। एक समय तक कांग्रेस मणिशंकर अय्यर, सैम पित्रोदा जैसे बड़बोले नेताओं से परेशान थी। लेकिन अब लगता है यह काम भाजपा में भी कुछ लोगों ने अपने हाथ में ले लिया है।

भाजपा की बेबसी यह है कि वह इन मुद्दों पर लगातार नुकसान झेल रही है, लेकिन इसका कोई तोड़ या ठोस जवाब उसके पास नहीं है। यहां तक कि ऐसे नेताओं के खिलाफ वह कोई प्रभावी कार्रवाई भी नहीं कर पाती। इसके पीछे कारण या तो असहायता है या फिर खुद ऐसे लोगों को पार्टी की शह है। बेशक, राजनीति में बेबाकी भी एक व्यक्तिगत गुण है, लेकिन बेबाकी और अविवेकी होने में बुनियादी फर्क है। अगर बगैर राजनीतिक समझ के कोई सार्वजनिक बयान दिया जाता है तो यह या तो मूर्खता है या फिर उद्दंडता। बिना सोचे समझे सिर्फ सुर्खियां पाने के लिए कुछ भी कह देना खुद अपने और अपनी पार्टी के पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है।

वैसे भी कंगना रनौत ऐसे ही विवादित बयानों के लिए जानी जाती हैं। वो बेहतर अभिनेत्री हैं, लेकिन उनकी राजनीतिक और सामाजिक समझ भी उतनी ही परिपक्व हो, जरूरी नहीं है। वरना कोई कारण नहीं था कि हरियाणा विस चुनाव के ऐन पहले काफी हद तक ठंडे पड़ चुके किसान आंदोलन को बुरे लफ्जों में कोसा जाता। कंगना के बयान के बाद हरियाणा में नाराज किसानों के प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। हैरानी की बात यह है कि कंगना ने ऐसा बयान तब दिया है कि जब वो इसी मुद्दे पर सीआईएसफ की एक महिला कांस्टेबल के हाथों सरेआम थप्पड़ खा चुकी हैं। किसान आंदोलन कितना जायज, तार्किक और राजनीति से प्रेरित था, इसके पीछे किन ताकतों का हाथ था, इस पर बहस हो सकती है, लेकिन उसे अलगाववादियो और विदेशी हाथों से संचालित होने के आरोप लगाना और वो भी इस समय, राजनीतिक बुद्धिमानी कतई नहीं है। अगर यह साफगोई भी है तो उसमें समझदारी का तत्व गायब है। वैसे भी कंगना न तो स्वयं किसान परिवार से हैं और न ही इस आंदोलन के साथ उनका किसी तरह का कोई सम्बन्ध रहा है। हाल में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि दिल्ली की सीमा पर हुए किसान आंदोलन के दौरान प्रदर्शन स्थल पर लाशें लटकती देखी गईं और बलात्कार हो रहे थे। उन्होंने कहा कि यदि मोदी सरकार ने कड़े कदम नहीं उठाए होते तो किसानों के विरोध प्रदर्शन से भारत में बांग्लादेश जैसी स्थिति पैदा हो सकती थी। इस बयान ने उन भाजपाइयों को भी चौंका दिया जो, लोकसभा चुनाव में हुई चूकों की राजनीतिक.रूस्ती में लगे हुए हैं। इस बयान से संभावित सियासी नुकसान को भांपकर भाजपा ने तुरंत खंडन जारी किया कि कंगना का बयान पार्टी की अधिकृत राय नहीं है। उन्हें नीतिगत मामलों पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है। साथ में कंगना को चेतावनी दी गई कि वो आइंदा ऐसे मुद्दों पर न बोलें। उधर विपक्ष ने इस बयान को तुरंत लपका और भाजपा पर प्रहार शुरू कर दिए। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि कंगना का बयान भाजपा की किसान विरोधी नीति का सबूत है। इसे किसी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि किसानों से किए वादे पूरा करने में नाकाम रहा तंत्र किसानों के प्रति दुष्प्रचार में लगा हुआ है। राहुल ने कहा कि भाजपा कंगना के बयान से असहमत है तो उन्हें पार्टी से बाहर करे। उन्होंने यह भी कहा कि तीन विवादित कृषि कानूनो के खिलाफ 378 दिन चले मैराथन संघर्ष में 700 किसानों ने बलिदान दिया। उन्हें बलात्कारी व विदेशी ताकतों का नुमाइंदा कहना भाजपा की किसान विरोधी नीति व नीयत का परिचायक है और पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के किसानों का अपमान है। इंडिया गठबंधन किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी दिलवा कर रहेगा।

# सजा बढ़ाने से नहीं रुकेंगी रेप की घटनाएं

वे उनके हाव-भाव, अश्लील इशारे देखने और करने के लिए उन पर नोट उड़ाते हैं। कामुकता को ही बढ़ावा देते हैं और महिलाओं के शरीर इस तरह खरीदे जाते हैं। मुझे लगता है कि हमने बहुत महिला दिवस मना लिए। बाल दिवस, पिता दिवस, माता दिवस, चाकलेट दिवस, वेलेंटाइन डे, बहुत कुछ मना लिया। अब देश में पुरुष दिवस मनाना चाहिए। वर्ष में एक बार नहीं, हर महीने। उस दिन हर घर की महिला अपने पुत्र, पिता, पति, भाई आदि सभी पुरुष रिश्तेदारों से यह संकल्प ले।

क्या इस देश में डांस बार में महिलाओं को नचाना जरूरी है? अगर डांस ही देखना है तो क्या शराब पिलाना जरूरी है? विवाह-शादियों में शराब जैसा जहर पिलाना ही है तो क्या उसे पिलाने के लिए लड़कियां ही चाहिए और लड़कियां भी वे जिन्हें आधे-अधूरे वस्त्रों में वहां लाया जाता है मैं अपने भारत देश की बात कर रही हूं। हमारा मंत्र है : मातृवत परदारेषु । हम मां को प्रथम आचार्य मानते हैं और प्रथम गुरु भी। वर्ष में दो बार कन्या पूजन करते हैं और रक्षाबंधन भी सांस्कृतिक त्योहार है। कोई भी शुभ कार्य करना हो तो पहले कन्या पूजन करते हैं। वैष्णो देवी के दरबार में सुबह-शाम की आरती के बाद किस प्रकार कंजकों अर्थात बच्चियों का पूजन होता है और देखने वाले कितनी श्रद्धा से देखते हैं, यह भी पूरा देश जानता है। फिर भी उसी भारत देश के राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो यह आंकड़े दे रहा है कि भारत में एक दिन में औसतन 87 बलात्कार की घटनाएं होती हैं। अंग्रेजी में रेप कह देते हैंए शायद वास्तविकता को छिपाने के लिए। इसके साथ ही भारत की राजधानी दिल्ली में दिल्ली पुलिस द्वारा दी जानकारी के अनुसार एक दिन में पांच और छह के लगभग महिलाएं, बालिकाएं दरिंदगी का शिकार होती हैं। एनसीआरबी के ताजा आंकड़ों के मुताबिक पिछले वर्षों के मुकाबले रेप के मामलों में 13.23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह स्वयं में ही लज्जाजनक समाचार है। व्यक्ति की नहीं, राष्ट्र के लिए भी शर्म की बात है। ताजा आंकड़ों के अनुसार राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश के बाद दिल्ली में ऐसी घटनाएं सबसे ज्यादा होती हैं। केवल अगस्त के महीने में दक्षिण, पश्चिम, उत्तर-पश्चिम भारत के सभी भागों में भारत की बेटियां बलात्कार का शिकार हुईं। बंगाल के कलकत्ता में डाक्टर के साथ अस्पताल परिसर में ही जो दरिंदगी हुई, उसके लिए पूरे देश का डाक्टर आंदोलन कर रहा है, सुरक्षा की मांग कर रहा है। पीड़िता के लिए न्याय की बात कही जा रही है और इस हड़ताल के कारण देश के गरीब ही दुखी हुए। बेटी को न्याय मिले, सब चाहते हैं, पर गरीब के बच्चे अस्पताल की दहलीज से बिना इलाज करवाकर तड़पते वापस आ जाएं, यह कोई नहीं चाहता। मेरा एक प्रश्न है कि जो गुस्सा, जो विरोध प्रदर्शन, जो राजनीतिक दूषणबाजी बंगाल की डाक्टर के लिए हो रही है, उसके शोर में हमारे नेता, पक्ष और विपक्ष के सत्तापति उन दुर्घटनाओं को क्यों नहीं देख-सुन रहे जहां एक दर्जन से ज्यादा बेटियां इस कामवासना के अंधे पुरुषों की पशुवृत्ति का शिकार हुईं। कहीं यह कोई राजनीतिक हित की पूर्ति तो नहीं हो रही? यह तो एकदम ताजी घटना है कि ठाणा जिला महाराष्ट्र के एक स्कूल में स्कूल के ही कर्मचारियों ने दो बच्चियों के साथ यौन शोषण का अपराध किया। जैसे ही माता-पिता को पता चला, पुलिस भी हरकत में आई। अपराधी गिरफ्तार भी हो गया, लेकिन दो दिन पहले वहां ऐसा प्रदर्शन हुआ जिसमें स्कूल भवन भी तोड़ दिया गया, रेल ट्रैक जाम कर दिया, हजारों व्यक्ति क्रोध से उबलते हुए सडकों पर आए। पुलिस से टकराव भी हो गया। गुस्सा होना ही चाहिए। बेटियों के साथ इस पशुवृत्ति को रोकना ही होगा, पर आखिर कब तक यह सब होता रहेगा? इसी सप्ताह पंजाब की एक लडकी क्यों और कैसे उत्तराखंड के देहरादून में एक बस में शायद रात के समय पहुंची और बस के ड्राइवर, कंडक्टर आदि पांच पुरुषों की शिकार हुई। ऐसी जानकारी मिली है कि उसकी आयु से कई वर्ष बड़े वे बलात्कारी थे। उसके पिता की आयु से भी बड़े, बड़े भाई से भी बड़े। एक व्यक्ति तो 57 वर्ष की आयु का था और सबसे छोटा 34 वर्ष का। अब प्रश्न यह है कि क्या लडकी उन्हें अपनी वासनापूर्ति का साधन दिखाई देती है? उसको संरक्षण देने की बात, उसे उसके ठिकाने पहुंचाने की बात किसी के मन में नहीं आती? आखिर ऐसी अपराध वृत्ति देश के इन पुरुषों में क्यों पैदा हो गई? एक नहीं अनेक घटनाएं अगस्त की हैं। बैंगलोर के एडीशनल पुलिस कमिश्नर रमन गुप्ता ने भी बताया कि एक लडकी जो रात को घर लौट रही थी, वह किसी से लिफ्ट मांगने का अपराध कर बैठी और फिर लूटी गई। तमिलनाडु के एक स्कूल में नाबालिग छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न किया गया। एक छात्रा के साथ यौन शोषण भी हुआ। यह सारा दुष्कर्म एक फर्जी एनसीसी कैंप के दौरान किया गया। पुलिस ने स्कूल के प्रिंसिपल समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया। तमिलनाडु के त्रिची में दस वर्षीय मासूम का यौन शोषण हुआ। राजस्थान के जोधपुर से तीन वर्षीय बच्ची से दरिंदगी का मामला सामने आया है। कूड़ा बीनने वाले परिवार की बच्ची उठाकर ले गए और अपनी हवस का शिकार बनाया। अभी ताजी घटना है। अमृतसर के एक होटल में लुधियाना से लाई गई बच्ची की भी यही किस्मत रही। यह ठीक है कि पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। गिरफ्तारी भी हो गई, पर जो चोट इन बेटियों को सहनी पड़ी, उसका उपचार कभी नहीं हो सकेगा। घटनाएं तो इस समय भी हो रही होंगी, जब यह संदेश लिखा जा रहा है देश को पहुंचाने के लिए, पर इसका हल क्या है? जो समर्थ लोग हैं, उन्हें अपना रंग-ढंग बदलना होगा। यहां फैशन मेले होते हैं। अधिकतर वस्त्र आभूषण के प्रदर्शन के लिए नहीं, महिलाओं के अर्धनग्न शरीरों का प्रदर्शन किया जाता है। अमीरों का बदनुमा रिवाज चल पड़ा, विवाह-शादियों में शराब पिलाने के लिए देशी-विदेशी लड़कियों को किराए पर लिया जाता है। तथाकथित स्पा सेंटरों में थाईलैंड तक की लड़कियां पंजाब में कितनी पहुंच चुकी हैं, सरकार को भी पता नहीं। जैसे अमृतसर में स्पा सेंटर पकड़ा गया, लड़कियां हाथ में आ गईं। जो बड़े बड़े ग्राहक थे, वे न कानून को दिखाई दिए, यह समाज को, क्योंकि वे पैसे वाले थे। मुंबई जैसे महानगरों के डांस बार में डांस देखने कितने लोग जाते हैं। वे उनके हाव-भाव, अश्लील इशारे देखने और करने के लिए उन पर नोट उड़ाते हैं। कामुकता को ही बढ़ावा देते हैं और महिलाओं के शरीर इस तरह खरीदे जाते हैं। मुझे लगता है कि हमने बहुत महिला दिवस मना लिए। बाल दिवस, पिता दिवस, माता दिवस, चाकलेट दिवस, वेलेंटाइन डे, बहुत कुछ मना लिया। अब देश में पुरुष दिवस मनाना चाहिए। वर्ष में एक बार नहीं, हर महीने। उस दिन हर घर की महिला अपने पुत्र, पिता, पति, भाई आदि सभी पुरुष रिश्तेदारों से यह संकल्प ले कि देश की हर बेटी को अपनी बेटी, अपनी बहन, अपनी मां के रूप में ही देखेंगे। फैशन मेलों में उनके शरीर पर नोट उड़ाने नहीं जाएंगे। डांस बार में शराब के साथ शबाब के नजारे नहीं लेंगे। अगर दुर्गा पूजन व कन्या पूजन करना ही है तो दुनिया की किसी भी बेटी को न अश्लील शब्द कहेंगे, न कुदृष्टि डालेंगे। यह भी समझाना होगा कि जो गालियां वे निकालते हैं, वे गालियां महिलाओं की शालीनता के विरुद्ध हैं, उनका अपमान करने वाली हैं। मुझे तो सरकारों की अक्ल पर कभी-कभी रोना आता है कि जो जाति के लिए अपमानजनक शब्द कहने पर कानून पकड़ता है, वही कानून महिला सूचक गालियां निकालने के लिए इन पुरुषों को क्यों नहीं पकड़ता? क्या इस देश में डांस बार में महिलाओं को नचाना जरूरी है? अगर डांस ही देखना है तो क्या शराब पिलाना जरूरी है? विवाह शादियों में शराब जैसा जहर पिलाना ही है तो क्या उसे पिलाने के लिए लड़कियां ही चाहिए और लड़कियां भी वे जिन्हें आधे अधूरे वस्त्रों में वहां लाया जाता है। आखिर किस किताब में यह लिखा है कि शरीर पर मालिश करने के लिए देशी-विदेशी लड़कियां ही चाहिए। जब पुरुषों के लिए मालिश करने वाली लड़कियां लाई जाती हैं तो इसका सीधा अर्थ यही है कि यह उनका कामुकता को शांत करने का नहीं, बल्कि और भडकाने का एक ढंग है। क्या भारत सरकार बता सकती है कि पूरे देश के स्पा सेंटरों या डांस बार तथा विवाह-शादियों में शराब पिलाने के लिए विदेशों से कितनी लड़कियां देश में लाई गई हैं? ऐसे कौनसे गिरोह हैं जो इन लड़कियों को लाते हैं और फिर वही हालत होती है जो अमृतसर के स्पा सेंटर में थाईलैंड की लड़कियां छत से कूदीं।

# अभ्यास

**श्रीराम शर्मा आचार्य**

सतत अभ्यास द्वारा शरीर एवं मन को इच्छानुवर्ती बनाया जा सकता है तथा उन्हें असामान्य कार्यों को कर सकने के लिए भी सहमत किया जा सकता है। प्रतिभा-योग्यता के विकास में बुद्धि आवश्यक तो है सर्वसमर्थ नहीं। बुद्धिमान होते हुए भी विद्यार्थी यदि पाठ याद न करे, पहलवान व्यायाम को छोड़ दे, संगीतज्ञ, क्रिकेटर अभ्यास करना छोड़ दें, चित्रकार तूलिका का प्रयोग न करे, कवि भाव संवेदनाओं को संजोना छोड़ बैठे, तो उसे प्राप्त क्षमता भी क्रमशः क्षीण होती जाएगी और अंततः लुप्त हो जाएगी। जबकि बुद्धि की दृष्टि से कम पर सतत अभ्यास में मनोयोगपूर्वक लगे व्यक्ति अपने अंदर असामान्य क्षमताएं विकसित कर लेते हैं। आत्मविश्वास की कमी एवं प्रयास का अभाव ही मनुष्य को आगे बढ़ने से रोकता तथा वह महत्वपूर्ण सफलताएं पाने से वंचित रहता है। मानवीय काया परमात्मा की विलक्षण संरचना है। सर्वसमर्थता के बीज उसके अंदर विद्यमान हैं। उसे जैसा चाहे ढलाया बनाया जा सकता है। सामान्यतया लोग कुछ दिनों तक तो बड़े उत्साह के साथ किसी भी कार्य को करने का प्रयास करते हैं पर अभीष्ट सफलता तुरंत न मिलने पर प्रयत्न छोड़ देते हैं। फलस्वरूप अपने प्रयत्नों में असफल सिद्ध होते हैं जबकि धैर्य एवं मनोयोगपूर्वक सतत अभ्यास में लगे व्यक्ति असामान्य क्षमताएं तक विकसित कर लेते हैं। अभ्यास की प्रक्रिया द्वारा शारीरिक- मानसिक क्षमताओं का विकास ही नहीं रोगों का निवारण भी किया जा सकता है। मानवीय काया एवं मन में शक्ति भंडार छिपे पड़े हैं। विकास की असीम संभावनाएं हैं। निर्धारित लक्ष्य की ओर प्रयास चल पड़े और उसमें धैर्य एवं क्रमबद्धता का समावेश हो जाए तो असंभव समझे जाने वाले कार्य भी संभव हो सकते हैं। पहलवान, विचारवान, कवि, लेखक, वक्ता, चित्रकार, वैज्ञानिक, अध्यापक कोई अकस्मात नहीं बन जाते, वरन उन्हें उसके लिए सतत प्रयास करना पड़ता है। शरीर एवं मन को निर्धारित लक्ष्य के लिए अभ्यस्त करना होता है। प्रयत्न करने पर कोई भी व्यक्ति अपने अनगढ़ शरीर एवं मन को प्रशिक्षित कर सकता है। अनगढ़ शरीर एवं मन को सुगढ़ एवं व्यवस्थित करने के लिए धैर्य के साथ सतत अभ्यास की आवश्यकता होती है।

## आपके पत्र

### भगवान श्रीकृष्ण सबके आदर्श

भगवान श्रीकृष्ण हमारे बहुत बड़े गुरु, आदर्श और मार्गदर्शक हैं। इन्होंने हमें बताया है कि हमें हमेशा अच्छे कर्म करने चाहिएं। भगवान भावना के भूखे होते हैं। इनकी बाल लीलाओं को देखा जाए, इनके बारे में पढ़ा जाए, तो हमें पता चलता है कि यह अपने किसी गरीब मित्र से भी घृणा नहीं करते थे, बल्कि उसके साथ हमेशा खेलते रहते थे। जब-जब भी सृष्टि पर पाप बढ़ा है, असुरों के अत्याचार से प्राणी जाति संकट में आई है और सत्य, इनसानियत का पतन होने लगा है, तब-तब भगवान धरती पर किसी न किसी रूप में आए हैं। कभी राम बनके, तो कभी कृष्ण के रूप में। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी प्यार व इनसानियत से जीने का संदेश देती है। यह अहंकार छोड़ने और गलत आदतों से दूर रहने का सबक देती है।

**डीएन प्रसाद, रांची**

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

**प्रधान संपादक** : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

**email : metrorays.ranchi@gmail.com**

## न्यूज ब्रीफ

### साहिबगंज के एसपी का तबादला

**साहिबगंजः** जिला के पुलिस कप्तान कुमार गौरव का तबादला लातेहार हो गया है। गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग की अधिसूचना के मुताबिक रांची के गृह रक्षक व अग्नि शमन सेवा के समादेष्टा अमित कुमार सिंह को साहिबगंज में एसपी के पद पर पदस्थापित किया गया है।

### कोर्ट का वारंटी गिरफ्तार

**साहिबगंज :** मुफस्सिल थाना पुलिस ने मंगलवार को पुराने मामले के एक वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मुफस्सिल थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि जमीन विवाद के एक में कोर्ट के वारंटी सकरी, समदा घाट निवासी लालू सिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

### पुलिस ने दो आरोपी को किया गिरफ्तार

**साहिबगंजः** नगर थाना पुलिस में मंगलवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। नगर थाना इंस्पेक्टर अमित गुप्ता में बताया कि कांड संख्या 224/19 में हबीबपुर निवासी आरोपी उमेश कुमार राम उर्फ चिंटू एवं कांड संख्या 99/22 के आरोपी कमल टोला निवासी चंदन यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

### कृष्ण जन्माष्टमी में मटका फोड़ने के दौरान युवक घायल

**साहिबगंजः** नगर थाना क्षेत्र के रसूलपुर दहला निवासी कृष्ण कुमार दास उम्र 22 वर्ष पिता मनकर दास कृष्ण अष्टमी में मटका फोड़ने के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गए वहीं परिजनों ने बताया कि कृष्ण कुमार दास कृष्ण जन्माष्टमी में मटका फोड़ने के लिए चढ़ा जिस पैर फिसलने के कारण नीचे जमीन पर गिर गया वहीं कृष्ण कुमार दास गंभीर रूप से घायल हो गया जहां घायल को आनन फानन में साहिबगंज सदर अस्पताल लेकर के आया जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर केशव कृष्णा ने बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया।

### कंपार्टमेंटल से 12वीं पास करने वाले छात्रों के लिए फिर से खोला गया चांसलर पोर्टल

**दुमका :** सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका के कुलपति प्रो बिमल प्रसाद सिंह के निर्देश पर चार वर्षीय यूजी प्रोग्राम में नामांकन के लिए एक बार फिर चांसलर पोर्टल खोल दिया गया है। इस बार पोर्टल 28 अगस्त से 4 सितम्बर तक खुला रहेगा। इस बार पोर्टल उन विद्यार्थियों के लिए खोला गया है, जिन्होंने कंपार्टमेंटल परीक्षा के जरिए 12वीं पास की है। मालूम हो कि कुछ दिन पहले ही जैक बोर्ड की कंपार्टमेंटल 12वीं का रिजल्ट आया है, ऐसे में इस परीक्षा से 12वीं पास करने वाले विद्यार्थी नामांकन के लिए पोर्टल खोलने की मांग कर रहे थे। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बिमल प्रसाद सिंह के निर्देश पर डीएसडब्ल्यू डॉ जयेंद्र यादव ने मंगलवार को एक अधिसूचना जारी कर दी है। जारी अधिसूचना के अनुसार इस बार चांसलर पोर्टल 28 अगस्त से 4 सितम्बर तक खुला रहेगा, 5 सितम्बर को कॉलेज स्तर पर मेरिट का प्रकाशन होगा, 6 से 10 सितम्बर तक डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन होगा और 13 सितम्बर तक विद्यार्थी ऑनलाइन नामांकन शुल्क जमा कर एडमिशन ले सकते हैं। विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू डॉ. जयेंद्र यादव ने बताया कि कंपार्टमेंटल से 12वीं पास करने वाले विद्यार्थियों को मौका देने के लिए एक बार फिर चांसलर पोर्टल खोला गया है। इस बार चांसलर पोर्टल सिर्फ उन्हीं कॉलेजों के लिए खोला गया है, जिनमें सीटें खाली हैं।

### साहिबगंज समाहरणालय के समक्ष एक दिवसीय धरना प्रदर्शन

**साहिबगंज :** राजमहल प्रखंड के जामनगर पंचायत में आबुआ आवास के आवंटन में भारी अनियमितता बरतने का आरोप लगाते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष अर्जुन कर्मकार ने मंगलवार को साहिबगंज समाहरणालय के समक्ष एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया।धरना के माध्यम से राजमहल प्रखंड के बीडीओ व संबंधित पंचायत के मुखिया के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की गई। धरना के बाद 21 सूत्री मांगों से संबंधित एक ज्ञापन राज्यपाल के नाम उपायुक्त को समर्पित किया गया।पार्टी के जिला अध्यक्ष अर्जुन कर्मकार ने आरोप लगाया गया कि अबुआ आवास के आवंटन को लेकर बिना धोलवाही किए मुखिया के द्वारा 23 जुलाई 24 को गुप्त तरीके से आम सभा करवाया गया। जिसे तत्काल रद्द करवाया जाए। बताया कि इसको लेकर ग्रामीणों की ओर से लिखित शिकायत भी की गई थी लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। कहा गया की मणि लाल रजक की बेटी अंजना बेवा और राम रजक की पत्नी राजनंदनी देवी को दो बार अबू आवास आवंटित कर दिया क्या इसकी जांच कर कार्रवाई की जाए।आरोप लगाया कि पंचायत के गरीब लाभुक राम मंडल,मुन्नी देवी,अंजली देवी,सुलेखा देवी, अनीता देवी,मीना देवी,नयन देवी, जोशना देवी,खुशबू कुमारी,रीना देवी समेत एनी को आवेदन देने के बाद भी अब अबुआ आवास का लाभ नहीं दिया गया।वहीं मुखिया ने अपने ही परिवार के चार-चार लोगों को अबुआ आवास आवंटित कर दिया।आरोप लगाया गया कि तीन ऐसे लोगों को भी अबुआ आवास आवंटित किया गया।जिनका पहले से ही पक्के का मकान है, जो मुखिया का समर्थक बताया जाता है।ज्ञापन के माध्यम से आरोप लगाया गया है कि वैसे लोगों को ही अबुआ आवास योजना का लाभ दिया गया जो व्यक्ति मुखिया को 30 से 40 हजार रुपए तक का नजराना दे पाया।नजराना नहीं देने वाले लोगों को अबुआ आवास योजना से वंचित रखा गया।वही प्रखण्ड विकास पदाधिकारी राजमहल और पंचायत के मुखिया के ऊपर लगे आरोप को गलत एवं बेबुनियाद बतलाया।मौके पर पार्टी के जिला महासचिव बृजनंदन मंडल,महिला मोर्चा का जिला अध्यक्ष शीला मरांडी,विनोद मुसहर,संजय मंडल,लखीराम घोष,बिफोल प्रमाणिक,जनार्दन प्रमाणिक,संतोष घोष,दिलीप साहा,देवेंद्र गोस्वामी कथा सोगेन रिक्यासन समेत अन्य कार्यकर्ता धरना प्रदर्शन में शामिल हुए।

### राज्यस्तरीय पंचायत सचिव अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

**साहिबगंज :** झारखण्ड राज्य पंचायत सचिव संदा के आवाह्न पर राज्य के तमाम जिले की भाँति साहेबगंज जिला के सभी प्रखंडों में कार्यरत पंचायत सचिवों अपनी दो सूत्री मांगों को लेकर जिला पंचायत राज पदाधिकारी कार्यालय के समझ समाहरणालय के समक्ष जिला अध्यक्ष जागेश्वर पंडित के नेतृत्व में अनिश्चित कालीन हड़ताल पर चले गए।जिला अध्यक्ष ने बताया कि उपरोक्त चरणबद्ध आंदोनात्मक कृत्य के उपरांत विभाग द्वारा सुध नहीं लिए जाने के फलत:भारी आक्रोशित होकर हम तमाम राज्यस्तरीय पंचायत सचिव अनिश्चित कालीन हड़ताल में हैं। मौके पर संघ के जिलाध्यक्ष जागेश्वर पंडित, महामंत्री जनकदेव यादव,उपाध्यक्ष परमेश्वर किस्कू, सुशील मरांडी,गुर बेसरा,अरुण कुमार साह,कोषाध्यक्ष छत्तेश्वर प्र० यादव,उत्तम कुमार,दीलिप कुए दत्ता,सत्यनारायण रजवार, शिवराम उराँव,सुनिल दास, मोनिका किस्कू,प्रियंका टिबडेवाल,सीता कुमारी,अनन्या कुमारी,मीनाक्षी कुमारी,निशा कुमारी,स्नेहा कुमारी,आशा कुमारी,काजल कुमारी,मीनाक्षी कुमारी,पूनम कुमारी,निशा कुमारी,अंजली कुमारी,शशीचंदा कुमारी सहित अन्य लोग शामिल हुए।

# सरकार की योजनाओं से कोई वंचित नहीं रहे इसी सोच के साथ कर रहे हैं काम : मुख्यमंत्री

मेट्रो रेज

**दुमका :** झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को लेकर राज्यभर की महिलाओं में जो उत्साह एवं खुशी देखने को मिल रहा है, वह अदभुत है। आपका ये उत्साह हमें हर मुसीबतों तथा चुनौतियों से लड़ने की ताकत देता है। आपकी उम्मीदों और भरोसे

से हम हर चुनौतियों का डटकर मुकाबला करते हुए निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। दुमका जिला के जामा प्रखंड स्थित पांजनपहाड़ी में मंगलवार को झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के संताल परगना प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

**जो आधी आबादी को मजबूत एवं सशक्त करेगा, वही राज्य आगे बढ़ेगाः** मुख्यमंत्री ने कहा कि आधी आबादी को जो मजबूत और सशक्त करेगा, वही राज्य आगे बढ़ेगा। राज्य के विकास के लिए महिलाओं की भागीदारी हर हाल में जरूरी है। यही वजह है कि हमारी सरकार आधी आबादी को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है । हमारी सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के चेहरे पर मुस्कान लाने का काम कर रही है ।

**जिन्होंने कभी ब्लॉक ऑफिस तक नहीं देखा उनके दरवाजे पहुंच रही सरकार :** मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से 4 वर्ष पहले कई ऐसे गांव थे, जहां के लोगों ने कभी ब्लॉक ऑफिस तक नहीं देखा था। डीसी- एसपी ऑफिस के बारे में जिन्हें कोई जानकारी तक नहीं थी। उनके दरवाजे पर आज पूरी सरकार पहुंच रही है। जिन गांवों में जाने के लिए कोई रास्ता नहीं है। जहां आवागमन की कोई सुविधा नहीं है, वहां आज बीडीओ- सीओ, डीसी- एसपी से लेकर विभागों के सचिव पहुंच कर आपकी समस्याओं को न सिर्फ सुन रहे हैं बल्कि उसका समाधान कर रहे हैं । जिन समस्याओं का निदान तत्काल संभव नहीं है, उसकी जानकारी सरकार तक पहुंचा रहे हैं ताकि उस दिशा में ठोस कदम उठाया जा सके। सरकार की योजनाओं से कोई वंचित नहीं रहे, इसी सोच के साथ कार्य कर रहे हैं।

**गांवों की मजबूती से राज्य के विकास का रास्ता तय होगाः** मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों को मजबूत किए बगैर राज्य मजबूत नहीं बन सकता है। यही वजह है कि हमारी सरकार रांची हेडक्वार्टर की बजाय गांव- देहात से चल रही है। आपकी योजना- आपकी सरकार- आपके द्वार कार्यक्रम के तहत गांव-गांव टोले -टोले में शिविर लगाकर सरकार की योजनाओं से समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को भी जोड़ने का काम किया गया। यह कार्यक्रम निरंतर चलेगा। हमारा प्रयास आपकी हर समस्या का समाधान करना है

पिछले साढ़े चार वर्षों में विकास का नया पैमाना बनाः मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों में हमारी सरकार ने इस राज्य और यहां के आदिवासी-मूलवासी, दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक, किसान- मजदूर, बूढ़े- बुजुर्ग,महिला युवा समेत हर वर्ग- तबके के लिए जो कार्य किए हैं, उसने विकास का नया आयाम गढ़ा है। आज राज्य का कोई भी बूढ़ा बुजुर्ग पेंशन से वंचित नहीं है। किसानों के दो लाख रुपए तक के लोन माफ किए गए हैं। बच्चों को बेहतर शिक्षा मिले इसके लिए उत्कृष्ट विद्यालय खोले गए हैं। यहां के बच्चे पढ़- लिख कर आगे बढ़ें, गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना के तहत उन्हें आर्थिक सहयोग किया जा रहा है। बच्चियों की पढ़ाई आर्थिक तंगी से छूटे नहीं, इसके लिए उन्हें सावित्रीबाई किशोरी समृद्धि योजना से जोड़ा गया है। इसी तरह की अनेकों योजनाएं हैं जो राज्य वासियों को आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त कर रही है। 7 लाख 32 हजार 906 बहन बेटियों को मिली 73 करोड़ 29 लाख 6 हजार रुपए सम्मान राशि

मुख्यमंत्री ने आज संताल परगना प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम में 7 लाख 32 हजार 906 लाभुकों के खाते में डीबीटी के माध्यम से 73 करोड़ 29 लाख 6 हजार रुपए सम्मान राशि के रूप में हस्तांतरित कर महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक और मजबूत कदम बढ़ाया। इनमे दुमका की 1 लाख 58 हजार 724, देवघर जिले की 50 हजार 152, साहिबगंज जिले की 1 लाख 20 हजार 78, गोड्डा जिले की 1 लाख 58 हजार 289, पाकुड़ जिले की 1 लाख 20 हजार 110 और जामताड़ा जिले की 1 लाख 25 हजार 543 बहन- बेटियां शामिल हैं।

इस कार्यक्रम में मंत्री सत्यानंद भोक्ता, मंत्री बेबी देवी, मंत्री हफीजुल हसन,मंत्री दीपिका पांडेय, मंत्री इरफान अंसारी, दुमका सांसद नलिन सोरेन, विधायक प्रदीप यादव, विधायक बसंत सोरेन, विधायक बादल, विधायक दिनेश विलियम मराण्डी, विधायक कल्पना सोरेन, जिला परिषद अध्यक्षा जॉयस बेसरा, प्रमंडलीय आयुक्त लाल चंद डाडेल तथा संताल परगना प्रमंडल अंतर्गत आने वाले जिलों के उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

### किसानों को वैकल्पिक कृषि के लिए सरकार कर रही पूरा सहयोग

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए सरकार कई योजनाएं लेकर आई है। विशेषकर आज मौसम में जिस तरह का बदलाव देखने को मिल रहा है, उसमे किसानों को पारंपरिक खेती के अलाव वैकल्पिक कृषि के लिए आगे आने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बिरसा हरित ग्राम योजना, दीदी बाड़ी योजना और मुख्यमंत्री पशुधन योजना जैसी अनेकों योजनाएं हैं, जिससे जुड़कर किसान अपनी आय बढ़ा सकते हैं।

**उपमुखिया ने लगाया पंचायत में मनमानी का आरोप**

## सभी वार्ड सदस्यों ने समर्थन वापसी को लेकर सौंपा ज्ञापन

मेट्रो रेज

**साहिबगंज/पतना :** प्रखण्ड के ग्राम पंचायत लखीपुर के उपमुखिया छोटो मरांडी से सभी वार्ड सदस्य अपना समर्थन वापस लेने को लेकर जिला पंचायती राज पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है,अवेदनानुसार उन्होंने बताया है कि उपमुखिया छोटो मरांडी अपने मनमाने ढंग से विचौलियों के साथ मिलकर ग्राम सभा के ही योजनाओं को घर के अंदर आदिवासी भाइयों को बहला फुसलाकर हस्ताक्षर करवाकर विचौलियों के हाथों बेच देते है।सभी वार्ड सदस्य अपने अपने वार्ड अंतर्गत बिकास कार्य को लेकर जो सपना थे वो धरातल पर नहीं पहुँच रही है,बिना कार्य किये ही 15वें वित्त आयोग का पैसा निकासी कर बंदरबाँट होने लगा और जब सभी वार्ड सदस्यों ने इसका विरोध किया तो उपमुखिया द्वारा उल्टा गाली गलौज किया जा रहा है उपमुखिया के इस रवैये से सभी वार्ड सदस्य अपने वार्ड में विकास का कार्य उचित व सार्वजनिक स्तर पर नहीं कर पा रहे है। जिससे पंचायत को छबि खराब हो रही है।सभी वार्ड सदस्यों ने मामले को लेकर प्रखण्ड बिकास पदाधिकारी को भी प्रतिलिपि के माध्यम से आवेदन प्रेषित की है।मौके पर वार्ड पार्षद गण जिसमें प्रेम लता देवी ,मो.अब्दुल अंसारी, जानकी देवी, गंगलो हेम्ब्रम,मरांगमई किस्कू, मिरु मुर्मू एवं लॉरेंस सोरेन शामिल रहे।

### साइकिल और बाइक की आमने सामने टक्कर में साइकिल सवार घायल

**साहिबगंज/राजमहलः** थाना क्षेत्र में सोमवार की रात्रि संतोष टुडू उम्र 45 वर्ष पिता नाइकी टुडू दहरलगी से बरहरवा केलाबारी जा रहा था। तभी विपरीत दिशा से आ रहे बाइक सवार ने जोरदार धक्का मार दिया जिससे संतोष टुडू गंभीर रूप से घायल हो गया वही संतोष टुडू के जीजा रामा टुडू ने बताया की संतोष टुडू किसी काम से रात के 9:00 बजे दहर लगी से बरहरवा किला बाड़ी की ओर जा रहा था तभी विपरीत दिशा से आ रहे हैं ।बाइक सवार जोरदार टक्कर मार दिया जिससे गंभीर रूप से घायल हो गया वही परिजनों ने आनन फानन सीएचसी राजमहल हॉस्पिटल ले गया जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल रेफर कर दिया वहीं साहिबगंज के डॉक्टर केशव कृष्णा ने भी बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया कोई राजमल थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की गंभीरता से जानकारी ली जा रही है।

## प्रखंड अंतर्गत महाराजपुर पंचायत में कांग्रेसियों ने चलाया जनसंपर्क अभियान

मेट्रो रेज

**साहिबगंज/बरहरवा :** मगंलवार को महाराजपुर पंचायत के महाराजपुर ग्राम में पंचायत स्तरीय जनसम्पर्क अभियान के तहत बैठक आहूत की गई। मुख्य अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान व रैसूल आलम, सैफ आलम उपस्थित रहे।बैठक में जिला अध्यक्ष ने अपने संबोधन में स्थानीय विधायक सह पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के द्वारा किए गए विकास कार्यों की विस्तृत चर्चा की एवं गठबंधन सरकार की उपलब्धियां भी बताई।गठबंधन सरकार के द्वारा महिलाओं को दिए गए सम्मान के बारे में भी चर्चा किये। 50 वर्ष की महिलाओं को पेंशन का लाभ मैया सामान्य योजना 21 से 49 वर्ष की प्रत्येक महिलाओं को प्रत्येक माह मैंया सम्मान योजना के तहत 1000 के सम्मान राशि दिया जा रहा है,इसका रकम खाते में आना शुरू हो गया है साथ ही 200 यूनिट बिजली फ्री, 2 लाख किसानों का ऋण माफ,अबुवा आवास योजना का लाभ गठबंधन सरकार के द्वारा पूरे झारखंड में दिया जा रहा है। बरकत खान ने कहा कि झारखंड मे महागठबंधन की सरकार में कई दूरगामी फैसले लिए गए जो मील का पत्थर साबित हो रहा है और कई राज्यों में उदाहरण के तौर पर इसे पेश किया जा रहा है।सैफ आलम ने अपने संबोधन में ग्रामीणों को बताया की कांग्रेस के प्रति लोगों के बीच अलग उत्साह एवं विश्वास है कल्याणकारी योजनाओं से सरकार के प्रति उपजे विश्वास को हमें बनाए रखना है। विपक्षी दल जन सरोकार के मुद्दों से जनता का ध्यान हटाकर उन्हें भटकाने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन सशक्त संगठन के माध्यम से हमें जनता के बीच जाकर उन्हें सच्चाई से अवगत कराना है। विपक्ष के द्वारा जनता के बीच सरकार की नकारात्मक छवि पेश करने की कोशिश की जा रही है। महागठबंधन सरकार की योजनाओं को अपने झूठे प्रचार तंत्र के माध्यम से केंद्र पोषित बताया जा रहा है इससे लोगों को बचाना है। मौके पर दर्जनों कॉंग्रेसी कार्यकर्तागण व स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे।

## विधायक कक्ष में लगा जनता दरबार विभिन्न समस्याओं को लेकर पहुंचे शहरी और ग्रामीण

मेट्रो रेज

**साहिबगंज/बरहरवा :** प्रखण्ड मुख्यालय परिसर में स्थित विधायक कक्ष में प्रत्येक मंगलवार को क्षेत्र के लोगों का समस्याओं का हो सामाधान को लेकर विधायक कक्ष में जनता दरबार आयोजित की जाती है,जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष बरकत खान करते है परन्तु अपरिहार्य कारणों से कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान क्षेत्र में ना रहने के कारण प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू ने जनता दरबार के माध्यम से लोगों समस्याएं सुनी नगर पंचायत बरहरवा एवं ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं को प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू के समक्ष रखा,जिसे रंजीत टुडू ने बारी-बारी से सुना।उसके बाद संबंधित पदाधिकारियों से वातार्लाप कर निदान करवाया।विधायक कक्ष में जनता दरबार के दौरान ग्रामीण अंबेडकर आवास,अबुआ आवास, प्रधानमंत्री आवास की समस्या को लेकर पहुंचे,वहीं प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू ने पदाधिकारी से वातार्लाप कर उक्त लाभुकों की शिकायत को जल्द से जल्द दूर करने की बात कही।अंचल से संबंधित जमीन ऑन लाइन, की समस्या लेकर आए लोगों की समस्याओं का यथाशीघ्र निदान करवाने का आश्वासन दिया।विकलांग एवं वृद्धा पेंशन, एवं राशन कार्ड से संबंधित समस्या को लेकर लोग उपस्थित हुए, प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू ने कुछ समस्याओं का निदान ऑन द स्पॉट करवाया तथा बाकी जनता दरबार में प्रखंड के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याओं के प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को अग्रसारित कर जल्द से जल्द निष्पादित करने का आग्रह किया।मौके पर मेरी मरांडी, अनंत लाल भगत,नेहाल अख्तर, अनारुल खान,दाऊद शेख, रबीउल इस्लाम, तकरेज आलम, अलमगीर मंसूरी, जमरूल इस्लाम, छोटेलाल रामानी एवं दर्जनों ग्रामीण तथा नगर पंचायत के लोग मौजूद थे।

## अभद्र व्यवहार करने का आरोपी युवक गिरफ्तार

मेट्रो रेज

**साहिबगंज :** तीनपहाड़ थाना क्षेत्र में रविवार को स्टेशन चौक के समीप रात्रि लगभग आठ बजे के आसपास बड़ी मस्जिद गली में कुछ युवकों द्वारा अभद्र भाषा का व्यवहार एवं मारपीट की जा रही थी। तभी मस्जिद स्थल से सटे दुकान के मालिक एवं पुत्र ने यहाँ गाली-गलौज करने से रोका तभी युवकों ने दुकानदार के पुत्र पर कांच के बोतल से हमला करने का मामला प्रकाश मे आया हुआ है। इधर मस्जिद स्थल के पास गाली-गलौज होने की जानकारी मिलते ही हजारो की संख्या में ग्रामीण सड़क पर उतर कर विरोध करने लगे। जिससे तीनपहाड़ में रोड कुछ देर के लिए बाधित हो गई।वही इस घटना की जानकारी मिलते ही तीनपहाड़ थाना प्रभारी मो शाहरुख घटना स्थल पर पहुँचे और ग्रामीणो को समझाने लगे तभी ग्रामीण की भीड़ जुटते गई।इसकी जानकारी वरीय पदाधिकारी को मिली,जिसके बाद राजमहल एसडीपीओ एवं आसपास के सभी थाना पुलिस मौके पर पहुँची।एवं जिला से एक बस पुलिस के जवान भी आए।आए हुए पुलिस पदाधिकारी से ग्रामीणों की बात चीत हुई जिसके बाद पुलिस ने ग्रामीणों को समझा बुझाकर भीड़ को हटाया और अपने अपने घर जाने को कहा।प्रत्यक्षदर्शियों से मिली जानकारी के मुताबिक दुकानदार असलम अंसारी और उसके पुत्र इमरान अंसारी ऊर्फ रॉकी अपने दुकान पर थे। जो कि बड़ी मस्जिद के पास ही है।तभी दुकानदार एवं उसके पुत्र ने देखा कि कुछ युवक रेलवे स्टेशन की ओर से एक युवक को पकड़ कर मस्जिद के बहार बने लोहे के गेट पास मारपीट कर रहे थे ।साथ ही गाली गलौज इस्तेमाल कर रहे थे।वहीं दुकानदार के पुत्र असलम अंसारी के अनुसार कुछ युवकों को धर्मिक स्थल के पास गाली गलौज न करने को कहा गया तो युवको के द्वारा बोतल फोड़कर दुकानदार के पुत्र पर हमला कर बुरी तरह घायल कर दिया। जिसके बाद ग्रामीणो ने एक युवक को दौड़ कर पकड़ लिया। इस घटना पर ग्रामीणों ने मामले की जाँच कर दोषियों को कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने की मांग कर मस्जिद के पास भीड़ लगा दिया। वहीं थाना पुलिस के द्वारा बहुत समझाने बुझाने के बाद भीड़ पर काबू पाया गया और सभी को अपने-अपने घर जाने को आदेश दिया गया। इसके बाद पुलिस ने इस घटना में सामिल युवक जतन महतो विधि विरुद्ध बालक को गिरफ्तार कर थाना ले जाया गया। इस संबंध में तीनपहाड़ थाना कांड संख्या 42/24 एवं धारा 127, 1/127(2)/115(2)/118(2)/109/3(5) बी एन एस के अंतर्गत प्राथमिक दर्ज कर दोनों प्राथमिक अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया।

# फिल्म 'इमरजेंसी' को लेकर कंगना रनौत को मिली जान से मारने की धमकी

मशहूर बॉलीवुड एक्ट्रेस और भाजपा सांसद कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी' को लेकर उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई है। कंगना को जान से मारने की धमकी एक वीडियो संदेश के जरिए दी गई है। यह वीडियो मैसेज एक ग्रुप में आया है, इस ग्रुप ने कंगना को जूतों से पीटने और जान से मारने की धमकी दी है। ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा ये वीडियो सिख समुदाय का है। इस वीडियो में धमकी दी गई है कि अगर कंगना रनौत ने फिल्म 'इमरजेंसी' रिलीज की तो सभी सिख भाई तुम्हें मार डालेंगे। पहले थोड़ा खाया है, लेकिन अब चप्पल खानी पड़ेगी। मुझे यकीन है कि मैं एक सिख हूं, गौरवान्वित मराठी हूं। मैं जानता हूं कि एक सिख, एक मराठी, एक ईसाई और हर हिंदू तुम्हें जूते मारेगा। यदि हम अपना सिर काट सकते हैं, तो हम किसी और का सिर भी काट सकते हैं। कंगना की फिल्म 'इमरजेंसी' अगले महीने रिलीज होगी। 'इमरजेंसी' इंदिरा गांधी के जीवन पर आधारित फिल्म है। कंगना रनौत की इस फिल्म में आपातकाल के दौर से लेकर इंदिरा गांधी की हत्या तक की घटनाएं शामिल हैं। सिख काउंसिल ने आरोप लगाया है कि यह फिल्म प्रचार यानी प्रोपेगैंडा है। यह भी आरोप लगाया गया है कि फिल्म में ऐतिहासिक घटनाओं को गलत तरीके से चित्रित किया गया है। फिल्म रिलीज हुई तो शहीदों का अपमान होगा, इसमें सिख समुदाय के नेता जरनैल सिंह खालसा भिंडरावाले की भूमिका को नकारात्मक ढंग से पेश किया गया है। काउंसिल ने कहा है कि हम इस फिल्म को बैन करने की मांग कर रहे हैं। कंगना की फिल्म इमरजेंसी इंदिरा गांधी के दौर में लगी इमरजेंसी पर आधारित है। फिल्म 6 सितंबर को रिलीज होगी। इस फिल्म में कंगना ने इंदिरा गांधी का किरदार निभाया है और उन्होंने ही फिल्म का निर्देशन भी किया है।

# 'देवरा : पार्ट-1' का पोस्टर रिलीज, 27 सितंबर को फिल्म होगी रिलीज

साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक के लिए उत्सुकता बढ़ने के साथ 'देवरा : पार्ट-1' के निमार्ताओं ने मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर के दमदार नए पोस्टर जारी कर दिया गया। इसी के साथ फिल्म की रिलीज की उल्टी गिनती शुरू कर दी है। कोरटाला शिवा की निर्देशित और मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर, सैफ अली खान और जान्हवी कपूर अभिनीत देवरा की बहुप्रतीक्षित पहली किस्त 27 सितंबर को सिनेमाघरों में आ रही है। इस नवीनतम पोस्टर ने प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है। इस नए जारी किए गए पोस्टर में एनटीआर जूनियर के दोहरे चेहरे दिखाई दे रहे हैं, जो तीव्र ऊर्जा बिखेर रहे हैं। उनके हाव-भाव में एक शक्तिशाली, अडिग उपस्थिति का संकेत देते हुए एक उग्र दृढ़ संकल्प को दशार्या गया है, जो एक प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए माहौल तैयार करता है। फिल्म की भव्य रिलीज की उल्टी गिनती आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है, प्रशंसकों को बड़े दिन से पहले और अधिक झलकियों और टीजर का बेसब्री से इंतजार है। 'देवराः भाग-1' 27 सितंबर 2024 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज थी।

# मां और बहन के साथ एयरपोर्ट पर दिखे अभिषेक बच्चन

बॉलीवुड सुपरस्टार अमिताभ बच्चन के बेटे अभिषेक और बहू ऐश्वर्या राय बच्चन के रिश्ते की चर्चा पिछले साल से हो रही है। कहा जा रहा है कि ऐश्वर्या बिग बी का घर छोड़कर अपनी मां वृंदा राय के साथ रह रही हैं और उनकी बेटी आराध्या भी उनके साथ रहती है। इसी तरह अभिषेक की मां जया बच्चन और बहन श्वेता बच्चन के भी वीडियो वायरल हो रहे हैं।

अभिषेक बच्चन, उनकी मां जया बच्चन और बहन श्वेता बच्चन को मुंबई एयरपोर्ट से बाहर निकलते स्पॉट किया गया। उनके कई वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर पैपराजी अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया गया है। इस वीडियो में अभिषेक एयरपोर्ट से बाहर निकलते वक्त पैपराजी से हाथ मिलाते नजर आ रहे हैं। अभिवादन किया और अपनी कार की ओर चल दिये। जया बच्चन अपनी कार तक चली गईं और श्वेता पपराजी को देखकर मुस्कुराती हुई निकल गईं। इस वीडियो को लेकर नेटीजन तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। कुछ ने पूछा है कि ऐश्वर्या और आराध्या कहां हैं, जबकि अन्य ने पूछा है कि श्वेता नंदा हमेशा बच्चन परिवार के साथ क्यों रहती हैं।' अभिषेक अपनी मां और बहन के साथ घूमते हैं, आराध्या और ऐश्वर्या अकेले घूमने जाते हैं', 'ऐश्वर्या कहां हैं?' इस वीडियो पर यूजर्स ने कमेंट किया है, 'हमने सोचा था कि ननद की वजह से सामान्य परिवारों में ही झगड़े होते हैं।' अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में अभिषेक बच्चन, बच्चन परिवार के साथ आए थे , जबकि ऐश्वर्या राय और आराध्या अलग-अलग आईं, तभी से दोनों के बीच तलाक की चचाएं जोरों पर हैं। हाल ही में ऐश्वर्या और आराध्या दोनों अकेले न्यूयॉर्क ट्रिप पर गए थे। इस दौरान अभिषेक बच्चन उनके साथ नहीं थे। कहा जा रहा है कि ऐसा कई बार होने से इस कपल के रिश्ते में सबकुछ ठीक नहीं रहेगा। अभी तक इस संबंध में न तो ऐश्वर्या राय, न ही अभिषेक बच्चन और न ही बच्चन परिवार के किसी अन्य सदस्य ने कोई प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

# शाहरुख की फिल्म 'किंग' को लेकर आया बड़ा अपडेट

वर्ष 2023 में तीन फिल्मों से धमाल मचाने वाले शाहरुख खान की 2024 में अभी तक एक भी फिल्म रिलीज नहीं हुई है। वह फिल्म 'किंग' की वजह से चर्चा में हैं। उन्होंने हाल ही में स्विट्जरलैंड में लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल के दौरान फिल्म की पुष्टि की। अब इस फिल्म से जुड़ी एक अहम जानकारी सामने आ रही है। फिल्म के कुछ खास सीन बेहद खूबसूरत शहर में शूट किए जाएंगे। पहले खबरें थीं कि शाहरुख की आने वाली फिल्म 'किंग' की शूटिंग यूके में होगी। रिपोर्ट के मुताबिक 'किंग' के कुछ प्रमुख सीन यूके के बजाय हंगरी के बुडापेस्ट में शूट किए जाएंगे। यह यूरोप का एक लोकप्रिय शहर है। जहां हर साल एक करोड़ से ज्यादा लोग घूमने आते हैं। अब इसी शहर में शाहरुख की फिल्म के कुछ एक्शन सीन शूट होने वाले हैं। सितंबर अक्टूबर में शुरू हो सकती है शूटिंग शाहरुख खान की फिल्म किंग की शूटिंग अभी शुरू नहीं हुई है। शाहरुख ने हाल ही में एक इंटरव्यू में इस फिल्म की पुष्टि की है। इसके बाद से ही फैंस फिल्म की शूटिंग शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि किंग की शूटिंग सितंबर के अंत या अक्टूबर की शुरूआत में शुरू हो सकती है फिल्म ।

# सुशांत की मौत के बाद डिप्रेशन पर रिया चक्रवर्ती ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड कलाकार लगातार किसी न किसी वजह से खबरों में बने रहते हैं। कभी फिल्मों में अपने रोल को लेकर, कभी सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट को लेकर तो कभी अपने बयानों को लेकर, ये कलाकार चर्चा का हिस्सा बन रहते हैं। अब दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह की मौत के बाद चर्चा में आई एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती अब वह अपने एक बयान की वजह से सुर्खियों में आ गई हैं। आमिर खान हाल ही में रिया चक्रवर्ती के पॉडकास्ट पर नजर आए। उस वक्त आमिर खान ने रिया की हिम्मत की तारीफ की थी। आमिर खान ने कहा कि, "मैं कहूंगा कि आपके साथ जो कुछ भी हुआ वह दुखद था। जिस तरह से आपकी जिंदगी बदली और जिस तरह से आपने धैर्य दिखाया, आपने अपने आत्म-विश्वास को डिगने नहीं दिया। हम सभी इससे बहुत कुछ सीख सकते हैं। ऐसे में इंसान की हिम्मत खत्म हो सकती है लेकिन आपने एक नया जीवन शुरू किया। जो लोग अभी भी सोचते हैं कि आप गलत हैं, उन्हें गलत जानकारी दी गई है। मुझे उम्मीद है कि वे जल्द ही वास्तविक स्थिति को समझेंगे।

## रिया ने क्या कहा?

इस बारे में बात करते हुए रिया ने कहा, "सुशांत की मौत के बाद मैं डिप्रेशन में चली गई थी। मुझे अपने जीवन का दूसरा अध्याय शुरू करने के लिए एक लंबा सफर तय करना पड़ा। उदासी, डिप्रेशन जैसी कई चीजें थीं। मुझे इससे बाहर आने में थोड़ा समय लगा, लेकिन अब मुझे लगता है कि मुझमें नई ऊर्जा आ गई है। मुझे नए लोगों से मिलने का मन हो रहा है। ऐसा लगता है कि मेरी जिज्ञासा फिर से जागृत हो गई है। मैं जानना नहीं चाहती थी कि लोगों के जीवन में क्या चल रहा है। अब डिप्रेशन से बाहर आने के बाद ऐसा लग रहा है जैसे सूरज फिर से उग रहा है।" रिया ने कहा कि, 'बड़े होने के दौरान मैं जिस माहौल से घिरी थी, उसने मुझे ऐसी परिस्थितियों में साहस दिखाने की भी इजाजत दी। मेरे पिता सेना में थे। मैं बचपन से देखती आई हूं कि जब मेरे पिता हमें छोड़कर वापस सेना में चले जाते थे तो इस बात की कोई गारंटी नहीं होती थी कि वह वापस आकर हमसे मिलेंगे। जैसे-जैसे मैं बड़ी हुई, मुझे समझ आने लगा कि जीवन कठिन है। मैंने संघर्ष करने और कभी हार न मानने की कला सीख ली थी। सदैव आशावादी रहना सीखाया। यह आपके डीएनए में अपने आप आ जाता है। आप आसानी से हार नहीं मानते।ह रिया ने कहा कि तब आमिर खान ने उनसे कहा था कि आपने बहुत साहस दिखाया है और आपको खुद पर गर्व होना चाहिए।ह उल्लेखनीय है कि वर्ष 2020 में एक्टर सुशांत सिंह राजपूत का निधन होने के बाद अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती पर कई आरोप लगे थे।

# भारतीय क्रिकेट जगत ने जय शाह को आईसीसी चेयरमैन नियुक्त होने पर दीं शुभकामनाएं

**नई दिल्ली :** भारतीय क्रिकेट जगत ने मंगलवार को नवनियुक्त अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह को शुभकामनाएं दीं। जय शाह को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अगले अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुना गया है। शाह, जो अक्टूबर 2019 से बीसीसीआई सचिव और जनवरी 2021 से एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहे हैं, 1 दिसंबर, 2024 को यह प्रतिष्ठित पद संभालेंगे। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने सोशल मीडिया पर जय शाह को उनकी नियुक्ति के बाद बधाई दी। पांड्या ने एक्स पर लिखा, आईसीसी के सबसे युवा अध्यक्ष चुने जाने पर जय शाह भाई को बधाई। आपको क्रिकेट को और भी ऊंचाइयों पर ले जाते हुए देखने का बेसब्री से इंतजार है। आपका विजन और ड्राइव आईसीसी की मदद करेगा, ठीक वैसे ही जैसे बीसीसीआई के साथ हुआ। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने भी

आईसीसी अध्यक्ष चुने जाने के बाद शाह को बधाई दी। शास्त्री ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ₹जय शाह को आईसीसी का निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई - सिर्फ. 35 साल की उम्र में अब तक के सबसे युवा अध्यक्ष! बीसीसीआई चलाने का उनका अनुभव निस्संदेह उनके लिए बहुत काम आएगा। क्रिकेट समुदाय निश्चिंत हो सकता है कि जय विश्व क्रिकेट और आईसीसी को उनकी पूरी क्षमता का एहसास कराने और उन्हें दूसरे स्तर पर ले जाने का अथक प्रयास करेंगे। पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने आईसीसी के नए अध्यक्ष के रूप में जय शाह की नियुक्ति के बाद उन्हें अपनी शुभकामनाएं दीं। हरभजन ने एक्स पर पोस्ट किया, ₹जय शाह जी को आईसीसी के अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुने जाने पर बधाई। मुझे विश्वास है कि आईसीसी को भारतीय क्रिकेट को संभालने के आपके अनुभव से लाभ मिलेगा। आपका नेतृत्व विश्व क्रिकेट को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगा। मेरी शुभकामनाएं। युवा भारतीय सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने नियुक्ति के बाद जय शाह को ऑल द बेस्ट कहा। गिल ने एक्स पर लिखा, आईसीसी का चेयरमैन नियुक्त होने पर बधाई, ऑल द बेस्ट जय भाई! भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी जय शाह को बधाई दी। गंभीर ने एक्स पर लिखा, ₹बहुत-बहुत बधाई जयशाह भाई! मुझे पता है कि आपके असाधारण नेतृत्व में विश्व क्रिकेट काफी आगे बढ़ेगा! आईसीसी द्वारा जारी मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार, मौजूदा चेयरमैन ग्रेग बार्कले द्वारा तीसरा कार्यकाल न लेने का फैसला करने के बाद शाह चेयरमैन पद के लिए एकमात्र नामांकित व्यक्ति थे। अपने चुनाव के बाद, शाह ने क्रिकेट की वैश्विक पहुँच और लोकप्रियता को बढ़ाने के लिए अपनी मंशा व्यक्त की, विशेष रूप से एलए 2028 ओलंपिक में इसके आगामी समावेश के साथ - एक ऐसा क्षण जिसे वे खेल के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखते हैं। शाह ने कहा, ₹मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष के रूप में नामांकन से अभिभूत हूँ। मैं क्रिकेट को और अधिक वैश्विक बनाने के लिए आईसीसी टीम और हमारे सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूँ। हम एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़े हैं जहाँ कई प्रारूपों के सह-अस्तित्व को संतुलित करना, उन्नत तकनीकों को अपनाने को बढ़ावा देना और हमारे प्रमुख आयोजनों को नए वैश्विक बाजारों में पेश करना बहुत महत्वपूर्ण है। हमारा लक्ष्य क्रिकेट को पहले से कहीं अधिक समावेशी और लोकप्रिय बनाना है। उन्होंने कहा, ₹हम सीखे गए मूल्यवान सबक पर काम करेंगे, हमें दुनिया भर में क्रिकेट के प्रति प्रेम को बढ़ाने के लिए नई सोच और नवाचार को भी अपनाना चाहिए।

## चीनी सुपर लीग क्लब शंघाई पोर्ट ने दिवंगत एरिक्सन को दी श्रद्धांजलि

**शंघाई :** शंघाई पोर्ट ने स्वेन-गोरान एरिक्सन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि इस स्वीडिश खिलाड़ी ने चीनी सुपर लीग क्लब में साहस और शक्ति का संचार किया। एरिक्सन का सोमवार को निधन हो गया था। मंगलवार को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक बयान में, शंघाई क्लब ने कहा कि एरिक्सन ने नवंबर 2014 से नवंबर 2016 तक दो सत्रों के दौरान उन्हें प्रभावशाली परिणाम प्राप्त करने में मदद की, जब वे वहां कोच थे। शंघाई क्लब ने चीनी भाषा में बयान में लिखा, ₹उनके मार्गदर्शन में खिलाड़ियों को आधुनिक फुटबॉल सिद्धांतों और टीम के अंदर सामंजस्यपूर्ण माहौल से परिचित कराया गया, जिससे एक मजबूत प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल हुई। बयान में कहा गया, हम एरिक्सन के आभारी हैं कि उन्होंने टीम में साहस और ताकत लाई। हम हमेशा उस समय को याद रखेंगे, जो हमने पूर्व कोच के साथ बिताया था।

## आर्सेनल ने रियल सोसिएदाद से स्पेन के मिडफील्डर मेरिनो का अनुबंध पूरा किया

**लंदन :** आर्सेनल ने स्पेन के अंतरराष्ट्रीय मिडफील्डर मिकेल मेरिनो को अनुबंधित करने के लिए ला लीगा क्लब रियल सोसिएदाद के साथ समझौता कर लिया है। 28 वर्षीय मेरिनो 33.5 मिलियन यूरो (37 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की शुरूआती फीस पर चार साल के अनुबंध के साथ आर्सेनल में शामिल हुए, जिसमें प्रोत्साहन के आधार पर पांच मिलियन यूरो की अतिरिक्त राशि की संभावना है। मैनेजर मिकेल आर्टेटा ने आर्सेनल की वेबसाइट पर कहा, ₹मिकेल एक ऐसा खिलाड़ी है जो अपने अनुभव और बहुमुखी प्रतिभा के साथ हमें बेहतरीन गुणवत्ता प्रदान करेगा। कोच ने कहा, मिकेल अपनी तकनीकी क्षमता, अपने मजबूत और सकारात्मक चरित्र और व्यक्तित्व के साथ हमारी टीम को काफी मजबूत बनाएगा। मेरिनो ने 2016 में बोरुसिया डॉर्टमुंड में शामिल होने से पहले ओसासुना के साथ अपना करियर शुरू किया और 2018 में स्पेन लौटने और पिछले छह साल रियल सोसाइडाड के साथ

बिताने से पहले उन्होंने न्यूकैसल में लोन पर एक सीजन भी बिताया। 242 प्रदर्शनों में उनके 27 गोलों ने पिछले पाँच वर्षों में सैन सेबेस्टियन-आधारित क्लब को यूरोप और साथ ही 2020 कोपा डेल रे (जो 2021 में खेला गया था) के लिए क्वालीफाई करने में मदद की है। स्पेन के लिए उन्होंने 28 बार खेला है। आटेर्टा ने कहा, ₹जैसा कि हम सभी ने गर्मियों में देखा, मिकेल भी एक विजेता है, पूरे यूरो में उनके मजबूत प्रदर्शन से स्पेन को टूर्नामेंट जीतने में मदद मिली।

## न्यूज ब्रीफ

### केंद्रीय गृहमंत्री शाह आज पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के 54वें स्थापना दिवस समारोह में होंगे शामिल

**नई दिल्ली।** केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह आज नई दिल्ली में पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआरएंडडी) के 54वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह जानकारी समारोह की पूर्व संध्या पर भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) की विज्ञप्ति में दी गई। पीआईबी की विज्ञप्ति के अनुसार, इस अवसर पर शाह नए आपराधिक कानून-नागरिक केंद्रित सुधार विषय पर डॉ. आनंद स्वरूप गुप्ता स्मृति व्याख्यान भी देंगे। वह वर्ष 2023 और 2024 के लिए विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक (पीएसएम) और सराहनीय सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक (एमएसएम) विजेताओं को सम्मानित भी करेंगे। इसके अलावा केंद्रीय गृहमंत्री शाह नए आपराधिक कानूनों पर ब्यूरो के प्रकाशन 'भारतीय पुलिस जर्नल' के विशेष संस्करण का विमोचन करेंगे।समारोह में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के महानिदेशक, केंद्रीय पुलिस संगठनों के प्रमुख, गृह मंत्रालय और अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे। पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो वर्ष 1970 में अपनी स्थापना के बाद से पुलिसिंग में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए भारतीय पुलिस के थिंक टैंक के रूप में काम कर रहा है। इस संस्थान का उद्देश्य पुलिस और सुधारात्मक सेवाओं के लिए नीतियों और प्रक्रिया को विकसित करने के साथ नागरिकों को बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकियों की खोज करना है। इसके अलावा कानून प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता निर्माण, राज्यों और केंद्रीय पुलिस संगठनों के बीच सहयोग और समन्वय को बढ़ावा भी देना है।

### बांग्लादेश के मुख्य चुनाव आयुक्त, चारों आयुक्त किसी भी वक्त इस्तीफा देने के लिए तैयार

**ढाका।** शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश का चुनाव आयोग संकट में है। मुख्य चुनाव आयुक्त और चारों चुनाव आयुक्त किसी भी समय इस्तीफा देने को तैयार हैं। उन्हें डॉ. मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की हरी झंडी का इंतजार है। ढाका ट्रिब्यून अखबार के अनुसार, आयोग के इन आला अधिकारियों ने सरकार के शीर्ष अधिकारियों से मिलने की कोशिश की। इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) काजी हबीबुल अवल ने एक राष्ट्रीय दैनिक में कॉलम लिखकर सरकार तक अपनी स्थिति पहुंचाने की कोशिश की है। पांच अगस्त को शेख हसीना के इस्तीफे के बाद सीईसी अवल, कमिश्नर ब्रिगेडियर जनरल (सेवानिवृत्त) अहसान हबीब, एमडी आलमगीर, बेगम रशीदा सुल्ताना कार्यालय में मौजूद थे। आयुक्त अनीसुर रहमान उस दिन आफिस नहीं आए। आयोग के इन आला अफसरों ने 12 अगस्त को एक आपातकालीन बैठक कर इस्तीफे के मुद्दे पर चर्चा की। इस बैठक में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार से संपर्क करने पर भी निर्णय हुआ। सीईसी खुद डॉ. यूनुस से मिलना चाहते थे। उल्लेखनीय है कि छह अगस्त को अग्रगांव में चुनाव आयोग के भवन के मुख्य द्वार पर एक बैनर लटका दिया गया था। इस पर इस्तीफा देने की मांग की गई थी। ताजा हाल यह है कि आयुक्तों में अहसान हबीब नियमित रूप से काम कर रहे हैं। अन्य कभी-कभार ही कार्यालय आते हैं। अंतरिम सरकार के गठन के तुरंत बाद मुख्य न्यायाधीश और अटॉर्नी जनरल सहित अपीलीय प्रभाग के पांच न्यायाधीशों ने इस्तीफा दे दिया। संवैधानिक संस्थाओं में चुनाव आयोग, लोक सेवा आयोग (पीएससी), नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने अभी तक इस्तीफा नहीं दिया है। वैधानिक निकायों में विधि आयोग के अध्यक्ष और विभिन्न सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने इस्तीफा दे दिया है।

### इस्लामाबाद भारतीय पीएम को शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित करेगा

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि इस्लामाबाद निश्चित रूप से भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के क्षेत्रीय शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित करेगा। सनद रहे यह सम्मेलन इस साल पड़ोसी मुल्क में अक्टूबर में होना है। पाकिस्तान इसका मेजबान है। वह इस समय सम्मेलन की तैयारियों में जुटा हुआ है। जियो न्यूज के अनुसार, आसिफ ने मंगलवार को एक निजी समाचार चैनल से बात करते हुए यह बयान उन अटकलों के बीच दिया कि भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी एससीओ बैठक में शामिल नहीं होंगे। रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ से पूछा गया कि क्या पाकिस्तान एससीओ शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रधानमंत्री को आमंत्रित करेगा, तो उन्होंने कहा, ₹हां, निश्चित रूप से इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए।₹ आसिफ ने याद दिलाया कि भारत ने जुलाई 2023 में क्षेत्रीय शिखर सम्मेलन की मेजबानी करते समय तत्कालीन विदेशमंत्री बिलावल-भुट्टो जरदारी को आमंत्रित किया था।

### जुकरबर्ग ने कहा, व्हाइट हाउस ने कोविड महामारी के दौरान फेसबुक पर डाला था दबाव

**वाशिंगटन।** मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग ने कहा कि बाइडन प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने महामारी के दौरान फेसबुक पर कोविड-19 से जुड़ी कुछ सामग्री को ह्लसेंसरह्व करने के लिए दबाव डाला था। उन्होंने कहा कि यदि सोशल मीडिया कंपनी को फिर से ऐसी मांगों का सामना करना पड़ा तो वह इसका विरोध करेगी। सदन की न्यायापालिका से जुड़ी समिति के रिपब्लिकन अध्यक्ष, प्रतिनिधि जिम जॉर्डन को लिखे एक पत्र में जकरबर्ग ने आरोप लगाया कि व्हाइट हाउस के अफसरों समेत अधिकारियों ने फेसबुक पर कई महीनों तक 'हास्य और व्यंग्य सहित कुछ कोविड-19 सामग्री' को हटाने के लिए बार-बार दबाव डाला।

### बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार ने की पाकिस्तान के उच्चायुक्त से मुलाकात, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर की चर्चा

**ढाका।** बांग्लादेश सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस ने मंगलवार को पाकिस्तान के उच्चायुक्त सैयद अहमद मारोफ से मुलाकात की। उच्चायुक्त मारोफ ने बताया कि बांग्लादेश में आई बाढ़ के कारण होने वाली तबाही से पाकिस्तान की सरकार ने चिंता जताने के साथ ही राहत सामाग्री की एक सूची साझा की जो जरूरतमंद लोगों को देने के लिए तैयार है। जिसे एक इशारे पर बेहद कम समय में वितरित किए जा सकता है। उन्होंने दोहराया कि पाकिस्तान राहत उपायों में सहायता के लिए तैयार है। उच्चायुक्त ने दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों और सहयोग को मजबूत करने की गहरी इच्छा व्यक्त करते हुए बहुपक्षीय वार्ता की। उन्होंने कहा कि हमारे दो लोगों को जोड़ने वाले बिरादरी के मजबूत बंधन साझा इतिहास, सामान्य विश्वास, सांस्कृतिक समानताएं और हितों को परिवर्तित करने में गहराई से निहित हैं।उच्चायुक्त ने सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए दोनो देशों के बीच के संपर्कों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान द्वारा समर्थित आर्थिक और व्यापार संबंधों पर मुख्य ध्यान केंद्रित किया गया। ]

# ममता सरकार के दमनचक्र के खिलाफ भाजपा का 12 घंटे का बंगाल बंद शुरू

एजेंसी

**नई दिल्ली :** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का 12 घंटे का बंगाल बंद आज सुबह छह बजे शुरू हो गया। यह बंद कल (मंगलवार) राज्य सचिवालय नवान्न तक छात्र समाज के मार्च में हिस्सा लेने वालों पर पुलिस की कार्रवाई के विरोध में आहूत किया गया है। 12 घंटे के बंद के आह्वान की घोषणा पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने की थी। इसके फौरन बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के मुख्य सलाहकार अलापन बंद्योपाध्याय ने कहा था कि राज्य सरकार बुधवार को किसी बंद की अनुमति नहीं देगी। उल्लेखनीय है कि पुलिस ने नवान्न की ओर बढ़ रही भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया तथा आंसू गैस के गोले छोड़े और पानी की बौछार का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारी इस महीने की शुरूआत में आरजी कर अस्पताल में महिला प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और उसकी हत्या के विरोध में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग कर रहे थे।

जेपी नड्डा ने कहा, बर्बरता बर्दाश्त नहीं: भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीयमंत्री जेपी नड्डा ने कोलकाता में पुलिस बर्बरता की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि दमनचक्र बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नड्डा ने एक्स पर लिखा है, " पश्चिम बंगाल की सड़कों पर ममता बनर्जी की सरकार और उनकी बर्बर पुलिस द्वारा इंसाफ की मांग कर रहे डॉक्टर, बंगाल के युवाओं और महिलाओं पर हिंसा और दमनकारी चक्रों का जो तांडव देखा गया है, वो निंदनीय तो है ही, साथ में मानवता को शर्मसार करने वाला भी है।' नड्डा ने कहा है, " बंगाल में एक बेटी के साथ निर्ममता की सारी हदें पार कर दी जाती हैं, स्त्री की अस्मिता को तार-तार किया जाता है, बेटी के मां-बाप को भटकाया जाता है, लेकिन ममता बनर्जी चुप हैं। जब देश की युवा शक्ति ने इस अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की कोशिश की, तब ममता बनर्जी को अपने मुख्यमंत्री होने का अहसास हुआ और उन्होंने दोषियों को बचाने के लिए निर्ममता की हदों को पार कर दिया...।

मैं पूछता हूं कि छात्र समाज की मांग क्या थी? यही की आरजी कर अस्पताल में हुए जघन्य अपराध के दोषियों पर कार्रवाई हो, बंगाल की बेटी को न्याय मिले। भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने लिखा है, " ममता बनर्जी महिला मुख्यमंत्री होते हुए भी बंगाल की बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पूरी तरह से विफल रही हैं। बंगाल में ममता बनर्जी ने निर्ममता और तानाशाही की सारी हदें पार कर दी हैं...। बंगाल की तानाशाह मुख्यमंत्री का तानाशाही रवैया देखने को मिल रहा है। आप क्यों इन दोषियों को बचाने का प्रयास कर रही हैं? सामान्य नागरिकों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए भाजपा ने कल (बुधवार) सुबह 6 बजे से अगले 12 घंटे के लिए बंगाल बंद का आह्वान किया है। मुझे पूरा विश्वास है कि बंगाल की जनता हमारे साथ खड़ी रहेगी।

## भाजपा का बंगाल बंद, भाटपाड़ा में गोली चली

**कोलकाता ।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का आज आहूत 12 घंटे का पश्चिम बंगाल बंद सुबह छह बजे शुरू हो गया। शुरूआती चार घंटे में राज्य में विभिन्न स्थानों पर हिंसा और प्रदर्शन हुआ। बंद समर्थकों और तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच कई जगहों पर झड़पें हुई हैं। कुछ लोग घायल भी हुए। भाटपाड़ा के घोषपाड़ा इलाके में गोलीबारी में एक व्यक्ति घायल हो गया। भाजपा के पूर्व सांसद अर्जुन सिंह ने तृणमूल कांग्रेस पर अपने समर्थक रबी सिंह पर हमला करने का आरोप लगाया। घायल रबी सिंह को पहले बैरकपुर स्टेट जनरल अस्पताल और बाद में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

### कोलकाता में स्थिति सामान्य

कोलकाता में बंद का ज्यादा असर नहीं दिखा। बस और मेट्रो सेवा सुबह सामान्य रही। पुलिस प्रमुख स्थानों पर तैनात है। बंद को सफल बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता और नेता सड़कों पर उतरे हैं। सुबह अग्निमित्रा पॉल भी सड़कों पर नजर आईं और लोगों से बंद को सफल बनाने की अपील कर रही थीं।

### कोन्नगर और आसनसोल में संघर्ष

कोन्नगर में बंद के दौरान भाजपा और तृणमूल समर्थकों के बीच पुलिस की मौजूदगी में हाथापाई हुई। व आसनसोल में भी दोनों दलों के समर्थकों के बीच मारपीट की खबरें आई हैं। भाजपा ने बाजारों को बंद कराने की कोशिश की, जबकि तृणमूल के समर्थकों ने इन्हें पुनः खोलने की कोशिश की। मालदा, मुर्शिदाबाद और बर्दवान में भाजपा और तृणमूल समर्थकों के बीच तनाव बढ़ गया। मुर्शिदाबाद में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कई रेल स्टेशनों पर प्रदर्शन किया। इससे ट्रेन सेवा बाधित हो गई। बर्दवान जिले से भी ऐसी ही खबरें हैं।

### बंगाल बंद को समर्थन नहीं

## हालात सामान्य रखने के लिए होंगे सभी बंदोबस्त : अलापन बनर्जी

**कोलकाता :** भाजपा द्वारा आहूत बंगाल बंद के खिलाफ नवान्न ने सख्त रुख अपनाते हुए राज्य को सामान्य रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने की घोषणा की है। राज्य सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि बंद को स्वीकार नहीं किया जाएगा और राज्य के लोगों से अपील की है कि वे बंद का समर्थन न करें और सामान्य जनजीवन बनाए रखें। सरकारी कर्मचारियों को निर्देश दिया गया है कि वे दफ्तर में नियमित उपस्थिति दें। साथ ही, पूजा की खरीदारी के चलते दुकानों और बाजारों को भी खुला रखने का आदेश दिया गया है। निजी परिवहन संगठनों से भी वाहनों का परिचालन सामान्य रखने की अपील की गई है। राज्य सरकार ने आश्वासन दिया है कि यदि किसी प्रकार का नुकसान होता है तो उसकी भरपाई की जाएगी। भाजपा ने मंगलवार को नवान्न अभियान के तुरंत बाद बुधवार को 12 घंटे के बंगाल बंद का आह्वान किया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने घोषणा की कि यह बंद छात्र समाज के नवान्न अभियान में पुलिस द्वारा किए गए अत्याचार के विरोध में आयोजित किया जाएगा। इसके कुछ ही समय बाद, नवान्न से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सलाहकार अलापन बनर्जी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकारी घोषणा की। आर.जी. कर अस्पताल की घटना और उसके बाद हुए आंदोलन का जिक्र करते हुए अलापन बनर्जी ने कहा कि जांच और न्याय की मांग करने का अधिकार हम सभी के पास है। लेकिन आज (मंगलवार) महानगर को और कल (बुधवार) बंगाल को बंद करने का प्रयास पूरी तरह से अस्वीकार्य है। छात्रों की पढ़ाई और परीक्षाएं चल रही हैं। शारदीय उत्सव की खरीदारी शुरू हो चुकी है। व्यापारियों, कामकाजी लोगों, पेशेवरों और बड़ी संख्या में अन्य लोगों के भविष्य पर इसका प्रतिकूल असर पड़ेगा। शिक्षा और स्वास्थ्य सहित सभी आपातकालीन सेवाएं बाधित हो जाएंगी। ऐसे में पश्चिम बंगाल सरकार ने फैसला किया है कि कल प्रस्तावित बंद को मान्यता नहीं दी जाएगी। सभी से अनुरोध है कि वे इस बंद में भाग न लें। सरकारी कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए अलापन ने कहा कि दफ्तर-कचहरी में सामान्य रूप से उपस्थित होना अनिवार्य है। उन्होंने भाजपा के बंद को रजबरन थोपे गए बंद की संज्ञा देते हुए कहा, महाराष्ट्र हाई कोर्ट के हालिया फैसले को कई लोग जानते हैं। सामान्यत:, इस तरह की अराजकता को जबरदस्ती पैदा करने के खिलाफ न्यायालय के कई निर्देश हैं। बंद और आंदोलन के नाम पर आम लोगों के जीवन को बाधित करने का प्रयास न्यायालय के निदेर्शों के खिलाफ है। इसलिए राज्य सरकार ने फैसला किया है कि बुधवार को सामान्य जनजीवन बहाल रखा जाएगा। नवान्न ने विभिन्न परिवहन संगठनों को भी बुधवार को सामान्य रूप से वाहन संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। अलापन ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य रहेगा कि बुधवार को हर क्षेत्र में बंगाल को पूरी तरह से संचालित रखा जाए।

### सचिवालय अभियान पर क्या बोली सरकार

साथ ही, नवान्न अभियान के संदर्भ में भी राज्य सरकार ने संदेश दिया है कि बंगाल सभ्यता और सह-अस्तित्व की संस्कृति में विश्वास करता है। मंगलवार को राज्य पुलिस ने भी यही सभ्यता दिखाई और शांतिपूर्ण रही। यह शांति और सभ्यता आगे भी बनी रहेगी। राज्य के लोगों से अपील है कि वे सामान्य स्थिति बनाए रखें।

## प्रधानमंत्री मोदी ने जन धन योजना के 10 वर्ष पूरे होने पर दी बधाई

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जन धन योजना के 10 वर्ष पूरे होने पर लाभार्थियों और योजना को सफल बनाने में योगदान करने वालों को बधाई और शुभकामनाएं दी है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 28 अगस्त, 2014 को जन-धन योजना की शुरूआत की थी। इस योजना के तहत अबतक 53.13 करोड़ बैंक खाते खोले गए हैं। इन खातों में 2.3 लाख करोड़ रुपये की धनराशि जमा है। सरकार ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में तीन करोड़ से अधिक और जन-धन खाता खोलने का लक्ष्य रखा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक्स पर लिखा है, " आज देश के लिए एक ऐतिहासिक दिन है - #10YearsOfJanDhan.इस अवसर पर मैं सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं देता हूं। इस योजना को सफल बनाने के लिए दिन-रात एक करने वाले सभी लोगों को भी बहुत-बहुत बधाई। जन धन योजना करोड़ों देशवासियों, विशेषकर हमारे गरीब भाई-बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर देने में सफल रही है। "

वित्त मंत्रालय ने आज बयान जारी कहा कि आज प्रधानमंत्री जन-धन योजना आज सफलतापूर्वक अपने क्रियान्वयन का एक दशक पूरा कर रही है।

## देश के 22 राज्यों में आज तेज बारिश का पूवार्नुमान, दिल्ली-एनसीआर में बादलों का डेरा

एजेंसी

**नई दिल्ली :** भारत मौसम विज्ञान विभाग ने आज देश के 22 राज्यों में तेज बारिश होने का पूवार्नुमान जारी किया है। इस बीच दिल्ली-एनसीआर के बड़े हिस्से में बादल छाए हुए हैं। सुबह कहीं तेज तो कहीं धीमी बरसात हुई है। रात को भी दिल्ली के कुछ हिस्सों में बरसात हुई है। विभाग के अनुसार, दिल्ली में आज भी दिनभर बादल छाए रहेंगे और कई इलाकों में बारिश हो सकती है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि गुजरात के सौराष्ट्र और कच्छ में भारी वर्षा होने की संभावना है। सौराष्ट्र के अलग-अलग स्थानों पर आज मध्यम से भारी वर्षा होगी। कुछ दिन से जम्मू-कश्मीर समेत उत्तर पश्चिम से लेकर पश्चिम, मध्य और पूर्वोत्तर भारत तक जमकर मूसलाधार बारिश हो रही है। लगभग समूचे गुजरात और पश्चिम राजस्थान को जल प्रलय का सामना करना पड़ रहा है। दोनों राज्यों के कई इलाके पानी में डूब गए हैं। गुजरात में सात लोगों की जान भी गई है और 15,000 से अधिक लोगों को निचले इलाकों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बुधवार को पश्चिमी राजस्थान और अंडमान निकोबार द्वीप समूह में और गुरुवार को पश्चिमी राजस्थान, केरल और ओडिशा में वर्षा को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग का कहना है कि जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा के कुछ इलाकों, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल के ज्यादातर हिस्सों और पूर्वोत्तर के सभी राज्यों समेत 22 राज्यों में बुधवार को और 10 राज्यों में गुरुवार को बारिश को लेकर यलो अलर्ट है।

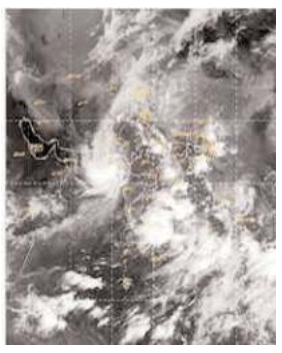

### यूक्रेन ने कुर्स्क क्षेत्र में करीब 500 वर्ग मील क्षेत्र पर किया नियंत्रण का दावा

## रूस का लगातार दूसरे दिन भी हमला जारी

एजेंसी

**कीव (एपी)** यूक्रेन के सैनिकों ने रूस के कुर्स्क क्षेत्र में लगभग 1,300 वर्ग किलोमीटर (500 वर्ग मील) क्षेत्र पर नियंत्रण कर लिया है। यूक्रेन की सेना के प्रमुख ने यह जानकारी दी। वहीं रूस ने मंगलवार को दूसरे दिन भी यूक्रेन पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया। सोमवार को रूस ने 200 से अधिक मिसाइलों और ड्रोन से यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया था। इसमें आठ लोगों की मौत हुई थी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सहयोगी पश्चिमी देशों से लंबी-दूरी तक मार करने में सक्षम हथियार देने की मांग की है। यूक्रेन ने कहा कि उसने मंगलवार को रूस के 10 मिसाइलों में से पांच को और 81 ड्रोन में से 60 को मार गिराया। हमले के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सहयोगी पश्चिमी देशों से लंबी-दूरी तक मार करने में सक्षम हथियार देने की मांग की है और उनके रूस के अंदर हमले करने अनुमति भी मांगी। जनरल ऑलेक्जेंडर सिर्स्की ने कहा कि यूक्रेन ने अपने अभियान में 594 रूसी लोगों को पकड़ लिया है। यह अभियान छह अगस्त से शुरू हुआ था। उनके दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। सिर्स्की ने कुर्स्क क्षेत्र की स्थिति को लेकर कहा, ह्यह्यकुर्स्क क्षेत्र में हमारा अभियान जारी है और दुश्मन देश हमारे आक्रामक सैन्य समूह को घेरने का प्रयास कर रहा है और उनकी जवाबी कार्रवाई की योजना भी है। हमलों में पांच लोगों के मारे जाने और 16 अन्य के घायल होने की सूचना है। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि हमलों में 81 ड्रोन, क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइल शामिल थी। उन्होंने कहा कि चार लोग मारे गए, लेकिन जापोरीज्जिया क्षेत्र के गवर्नर ने बाद में कहा कि हमलों में पांचवें व्यक्ति की भी मौत हो गई। जेलेंस्की ने 'एक्स' पर कहा, ह्यह्यहम निसंदेह इस और अन्य सभी हमलों के लिए रूस को जवाब देंगे। मानवता के खिलाफ अपराध करने वालों को बख्शा नहीं जा सकता। रूसी रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि कुर्स्क में यूक्रेन को भारी नुकसान हुआ है। लगभग 6,600 सैनिक मारे गए या घायल हुए हैं और 70 से अधिक टैंक और कई बख्तरबंद वाहन नष्ट हो गए हैं। इन आंकड़ों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है। इस बीच, रूस में अधिकारियों ने बताया कि कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन की चार मिसाइल को मार गिराया गया। क्षेत्र में लड़ाई ने वहां परमाणु ऊर्जा संयंत्र को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रॉसी मंगलवार को संयंत्र का निरीक्षण करने पहुंचे, लेकिन उन्होंने तत्काल कोई सार्वजनिक आकलन नहीं दिया।

## अमानवीय कृत्य मामले में पांच गिरफ्तार

### वीडियो वायरल के बाद पुलिस की कार्रवाई तेज

एजेंसी

**अररिया ।** अररिया में चोरी के आरोप में पकड़े गए युवक के साथ लिए गए अमानवीय कृत्य का वीडियो मंगलवार को वायरल होने के बाद पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है।एसपी अमित रंजन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मामले में संलिप्त सभी आरोपितों की शिनाख्त कर गिरफ्तारी करने का सख्त निर्देश दिया है, जिसके आलोक में अब तक कुल पांच लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है,जिसकी पुष्टि एसपी अमित रंजन ने भी की है। मामले में अब तक इस्लामनगर वार्ड नंबर 2 के रहने वाले मो.सिफत,भगत टोला के रहने वाले 28 वर्षीय रवि साह उर्फ विकास ,जोकीहाट डुब्बा टोला के रहने वाले 20 वर्षीय मो. कैफ,अररिया आजाद नगर वार्ड संख्या 20 के रहने वाले 20 वर्षीय मो. उमर ,22 वर्षीय मो. रागिब को गिरफ्तार किया है।मो.सिफत और रवि साह की गिरफ्तारी पुलिस ने वीडियो वायरल के साथ ही कर ली थी।अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी की लिए पुलिस की छापेमारी अभी भी चल रही है। अमानवीय कृत्य को अंजाम देने वाले वीडियो के वायरल होने के बाद एसपी अमित रंजन के द्वारा तकनीकी शाखा के द्वारा वीडियो का सत्यापन कराया गया था।जो सत्य पाया गया,जिसके बाद नगर थाना में प्राथमिकी कांड संख्या 451/24 दिनांक - 27.08.24 धारा 109,117(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। एसपी अमित रंजन ने सोशल मीडिया के माध्यम से आम लोगों से अपील की है कि और मानवीय कृत को अंजाम देने वाले वीडियो को वायरल किया जाना एक दंडनीय अपराध है।

## पुलिस ने जब्त किया 205 पेटी अंग्रेजी शराब

**चान्होः** पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान थाना क्षेत्र के पाटुक गांव के निकट से जेएच0-1बीई 5815 नम्बर की पिकअप गाड़ी से 205 पेटी अंग्रेजी शराब पकड़ा है। वही पुलिस को देख कर पिकप में सवार लोग भाग खड़े हुए। पुलिस ने बताया कि सोमवार की रात चान्हो पुलिस वाहन चेकिंग में थी इसी दौरान कुडू की ओर से एक पिकप वेन आ रही थी। लेकिन पुलिस को देख कर पिकअप सवार लोग पाटुक गांव के समीप गाड़ी खड़ी कर भाग खड़े हुए। पुलिस जब पिकअप को थाने ले जा कर जांच की तो पिकअप में 205 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब लोड था। पुलिस पिकप के नम्बर के सहारे यह पता लगाने में जुट गई है कि यह गाड़ी और शराब किसका है। फिलहाल पुलिस जांच पडताड़ में जुटी हुई है।

## तरंगा पंचायत भवन में 49 दिवसीय जुट हस्तकाल का प्रशिक्षण शुरू

**चान्होः** जन सहभागी विकास केंद्र द्वारा चान्हो प्रखण्ड के तरंगा पंचायत में जुट हस्तकला के प्रशिक्षण का उद्घाटन प्रमुख होलिका देवी एवं आजसू केन्द्रीय सचिव सह जिला परिषद सदस्य आशुतोष तिवारी ने संयुक्त रूप से किया। प्रशिक्षण के सम्बन्ध में संस्था के सचिव प्रमोद कुमार वर्मा ने कहा की जूट, जिसे 'सुनहरा रेशा' भी कहा जाता है, हमारे देश की प्राचीन धरोहर है। यह न केवल पर्यावरण के अनुकूल है बल्कि इससे बने हस्तशिल्प हमारे समाज के आर्थिक, सामाजिक, और पर्यावरणीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।जूट हस्तशिल्प प्रशिक्षण का महत्व : हमारे ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में जूट से बने उत्पादों की कला पीढ़ियों से चली आ रही है। इस कला को संरक्षित रखने और बढ़ावा देने के लिए जूट हस्तशिल्प प्रशिक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण के माध्यम से हम इस पारंपरिक कला को आधुनिक डिजाइन और तकनीक के साथ जोड़ सकते हैं, जिससे हमारे उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी पहचान बना सकें। यह प्रशिक्षण न केवल नई रोजगार की संभावनाएं पैदा करता है, बल्कि इसे अपनाने वाले लोगों को आत्मनिर्भर भी बनाता है। होलिका देवी मुख्य अतिथि ने कहा की प्रशिक्षण के पश्चात बैंक से लोन प्राप्त कर रोजगार लेने में सहयोग किया जायगा। आशुतोष तिवारी सदस्य जिला परिषद ने कहा की प्लास्टिक मुक्त भारत बनाने के लिए जुट को अपनाना हैँ और रोजगार के नये अवसर प्राप्त करना है. मंच का संचालन जन सहभागी विकास केंद्र की कोषाध्यक्ष ज्योति सिंह ने किया। इस अवसर पर तरंगा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि शिबरा उराव, समाज सेवी राम सेवक साहू, डॉ. अनिल कुमार साहू, शिक्षाविद रोपण मुंडा, प्रशिक्षक, पापिया व दस के साथ 40 महिलाएं उपस्थित थी।

# बिजली की समस्या को लेकर कार्यपालक अभियंता से मिले भाजपा नेता श्रद्धानन्द

मेट्रो रेज

**सिमडेगाः** बिजली से संबंधित समस्याओं को लेकर भाजपा नेता श्रध्दानंद बेसरा ने आज विद्युत कार्यपालक अभियंता से मुलाकात की । उन्होंने कहा कि विगत कई सालों से सिमडेगा प्रखंड के जमुनाखोइर गांव में अधूरे विद्युतीकरण के कारण ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, करीब 80 परिवार के इस गांव में दशक पूर्व एक छोटा ट्रांसफार्मर लगाया गया था, परंतु वह छोटा ट्रांसफार्मर खराब हो गया, और विद्युत विभाग में उसके बदले छोटा ट्रांसफार्मर अब उपलब्ध नहीं है।

जिस कारण विद्युत कंपनियां के द्वारा बड़ा ट्रांसफार्मर लगाने के लिए कार्य किया जा रहा था परंतु वह कंपनी केवल विद्युत पॉल गाड़ कर, काम को पूरा किए बिना रफू चक्कर हो गया । अधूरे कार्य को पूरा करने के लिए एक आवेदन भी दिया। खराब ट्रांसफार्मर को लेकर श्री बेसरा ने बताया कि विगत महीनों से ग्रामीण क्षेत्र के लोग खराब ट्रांसफार्मरों को दुरूस्त कराने के लिए विद्युत वर्कशॉप में जमा कर दिया है परन्तु महीनों गुजर जाने के पश्चात भी उन ट्रांसफार्मर को रिपेयरिंग करके उन्हें नहीं दिए जाने से उन उन क्षेत्रों के ग्रामीणों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। श्री बेसरा ने उन क्षेत्रों के ट्रांसफार्मर को जल्द से जल्द रिपेयरिंग करके उपलब्ध कराने के लिए आग्रह किया। मौके पर जमुनाखोइर से आए हुए ग्रामीण एवं श्रवण गोसाईं, दीप नारायण दास इत्यादि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

### मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का कोल्हान प्रमण्डलस्तरीय कार्यक्रम

## उपायुक्त ने कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण, तैयारियों का लिया जायजा

बिनय मिश्रा

**सरायकेला :** गम्हारिया प्रखण्ड अन्तर्गत रापचा फुटबॉल मैदान में आगमन आज , पदाधिकारियों,मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों को स्वीकृति पत्र एवं सम्मान राशि का वितरण व्यापक रूप से करेंगे और राज्य के पांचवां प्रमण्डल कोल्हान के तीनों जिला पश्चिम सिंहभूम चाईबासा, सरायकेला-खरसावां एवं पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर के लाभुकों के बीच सामूहिक रूप से यह सम्पादित होंगे। इस कार्यक्रम को लेकर कोल्हान के आयुक्त हरि कुमार केशरी ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण और व्यापक प्रबंध का जायजा लिया। उनके साथ सरायकेला-खरसवां के उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला और अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी साथ थें। कोल्हान प्रमण्डल के तीनों जिला के लाभुकों के बीच यह कारगर योजना के लाभुकों के बीच होने वाले कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन एवं कोल्हान के आयुक्त श्री केशरी बेहतर व्यवस्था के लिए निरंतर जुटे हुए हैं। इस संदर्भ में आयुक्त का स्पष्ट मानना है कि तीनों जिला के लाभुकों को ज्यादा से ज्यादा इस योजना का लाभ मिले इसके लिए व्यापक प्रबंध और बेहतर व्यवस्था की गयी है।

# साहेबगंज के पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव बने लातेहार के नये एसपी

बिनय मिश्रा

**भारतीय** पुलिस सेवा 2017 बैच के लोकप्रिय, कर्मठ एवं अपने उपलब्धि भरे कार्यों के लिए राज्य में पहचाने जाने वाले कुमार गौरव का तबादला साहेबगंज जिला से लातेहार हो गया है। श्री कुमार को अंजनी अंजन के स्थान पर उन्हें लातेहार का नया पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। श्री कुमार 3 जनवरी 2024 को साहेबगंज जिला के नये पुलिस अधीक्षक के रूप में अपना पदभार ग्रहण किया था और अपने आठ माह के कार्यकाल में भी उन्होंने अपने बेहतर कार्यप्रणाली से साहेबग्रज को अपाधमुक्त और पुलिस और आम लोगों के बीच बेहतर संबंध भी स्थापित किया। श्री कुमार इससस पूर्व कोडरमा के भी पुलिस अधीक्षक रह चुके हैं। वहां भी उन्होंने अपने बेहतर कार्यप्रणाली से इस जिला को बेहतर जिला बनाया था। तथा अपने पदस्थापना काल से लेकर पदस्थापित रहने तक इनके द्वारा किये गये कार्य का ही उत्कृष्ट परिणाम है कि आज भी इस जिला में उन्हें लोकप्रिय पुलिस अधीक्षक के रूप में लोग याद करते हैं। इससे पूर्व वे पूर्व सिंहभूम जमशेदपुर मुख्यालय हेडक्वार्टर के एसडीपीओ सह सहायक पुलिस अधीक्षक भी रह चुके हैं।

## सिमडेगा पुलिस ने खोया मोबाइल बरामद कर लौटाया

**सिमडेगा :** पुलिस द्वारा माह जुलाई 2024 में पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन में प्राथमिकता के आधार पर संयुक्त अभियान चलाते हुए, विभिन्न थाना क्षेत्रों से खोए हुए 74 मोबाईल को बरामद कर लौटाया गया। उल्लेखनीय है कि, सिमडेगा जिलान्तर्गत अप्रैल 2022 से जुलाई 2024 तक कुल - 665 मोबाईल जो विभिन्न क्षेत्रों में एक्टिव हुए, को बरामद कर लौटाया गया है।

### भाजपा ने झारखंड में भी रचा इतिहास

# पार्टी के पास हैं पांच पूर्व मुख्यमंत्री

ज्योति पाठक

**दुनिया** की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में पहचाने जाने वाली भारतीय जनता पार्टी ने झारखण्ड में भी इतिहास और कई कीर्तिमान बनाया है। 15 नवम्बर 2000 को झारखण्ड राज्य के निर्माण के पश्चात राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री बाबुलाल मराण्डी हैं तथा वर्तमान समय में श्री मराण्डी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। इसके बाद दूसरे मुख्यमंत्री के रूप में अर्जुन मुण्डा का नाम शामिल है। श्री मुण्डा प्रदेश की राजनीति से लेकर केन्द्र की राजनीति में भी स्थापित रहे हैं। मुख्यमंत्री बनने के साथ-साथ केन्द्र मंत्री भी रह चुके हैं। इसके बाद जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा से वर्ष दो हजार में विधायक और मंत्री बनने वाले मधु कोड़ा ने निर्दलीय मुख्यमंत्री बनकर इतिहास रचा और वर्तमान समय में वे भाजपा में शामिल हैं। श्री कोड़ा सिंहभूम संसदीय क्षेत्र से सांसद भी रह चुके हैं। इसके अलावे जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा से निरंतर कई बार विधायक और मंत्री रह चुके रघुवर दास भी झारखण्ड के निरंतर पांच वर्ष तक मुख्यमंत्री रहने का रिकार्ड बनाया और अपने कार्यकाल में इन्होंने बारह मंत्री के बजाय ग्यारह मंत्री बनाये और कीर्तिमान भी बनाया। इसके बाद तीस अगस्त को झारखण्ड की राजनीति में पूर्व मुख्यमंत्री और दिग्गज नेता चंपाई सोरेन भी भाजपा में शामिल हों। इस प्रकार से भाजपा झारखण्ड की ऐसी पार्टी बन जायेगी जिसमें राज्य के पांच मुख्यमंत्री शामिल हैं। वही इस कीर्तिमान में सर्वाधिक मुख्यमंत्री कोल्हान प्रमंडल से ही है। बाबूलाल मराण्डी को छोड़कर चार सभी मुख्यमंत्री कोल्हान के ही हैं।

# कांग्रेस के गढ़ में झापा की सेंधमारी सैकड़ो लोगों ने थामा झापा का दामन

जिला प्रतिनिधि

**सिमडेगाः** कांग्रेस के गढ़ में झापा की सेंधमारी, बोलबा बेहरीनबासा पंचायत के सैकड़ो लोगों ने थामा झापा का दामन। ग्रामीणों ने कहा कि बरगलाने वाला और ठगने वाला नहीं,काम करने वाला नेता चाहिए। झापा की सदस्यता ग्रहण करने वाले सभी लोगों को पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एनोस एक्का, संदेश एक्का, मतियस बागे, हर्ष बारला, अमुष मिंज, शशि टोप्पो, प्रमोद खेस, बिरसा मांझी, ललन प्रसाद आदि ने दुपट्टा पहना कर सम्मानित किया। पंचायत के पंचायत के जॉन तिर्की, लाजरूस कूल्ला, क्लीमेंट एक्का, पात्रिक लकड़ा सहित सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

### लोगों ने थामा झापा का दामन

झापा के केंद्रीय अध्यक्ष एनोस एक्का के आवास में सभी को पार्टी का दुपट्टा पहना कर पार्टी में शामिल किया गया। मौके पर सभी ने इस बार विधानसभा चुनाव में झारखंड पार्टी की जीत सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।